सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत, भारत के पूर्व ओपनर.... -पेज: 7

फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक का खुलासा किया मृण

वर्ष: 01 | अंक: 134 | शनिवार 23 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बिहार की धरती चंद्रगुप्त-चाणक्य की, यहां लिया गया संकल्प खाली नहीं जाता : पीएम मोदी

बिहार (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के गयाजी में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 13 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से रेल, सड़क, बिजली, आवास, जलापूर्ति और स्वास्थ्य क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार चंद्रगुप्त और चाणक्य की धरती है। यहां लिया गया संकल्प खाली नहीं जाता। यही कारण है कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद मैंने भी आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प इसी धरती से लिया था। आज दुनिया देख रही है। बिहार की धरती से लिया गया वह संकल्प पूरा हो चुका है। बिहार की धरती से लिया गया वह संकल्प हो चुका है पूरा प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षा नीति की नई लकीर खींच दी है। भारत में आतंकवादी भेजकर हमले कराकर कोई बच नहीं सकेगा। आतंकवादी चाहे पाताल में क्यों न छिप जाए,

बिहार के मगध क्षेत्र के 16 हजार से ज्यादा परिवारों को पक्का घर दिया गया है; अब इन परिवारों में इस साल दीपावली और छठ पूजा की रौनक और ज्यादा होगी। पीएम आवास योजना से छूट गए लोगों को विश्वास दिलाते हुए उन्होंने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा

भारत की मिसाइल उन्हें दफन करके रहेगी। पीएम मोदी ने याद दिलाते हुए कहा कि उधर से पाकिस्तान हम पर ड्रोन हमले कर रहा था, मिसाइल दाग रहा था और इधर भारत पाकिस्तान की मिसाइलों को हवा में तिनके की तरह बिखेर रहा था। पाकिस्तान की एक भी मिसाइल हमें नुकसान नहीं पहुंचा पाई। एनडीए सरकार की प्राथमिकता गिनाई इस मौके पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और एनडीए सरकार की प्राथमिकता गिनाई। उन्होंने राजद और कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद नहीं जानते थे कि पैसों का कभी मोल नहीं समझा। कोई भी परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं होती थीं। परियोजनाओं को लटकाकर पैसे कमाते थे। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने इस गलत सोच को भी बदल दिया है। अब अगर परियोजनाओं का शिलान्यास होता है तो कोशिश होती है कि इसे समय से पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार का तेज विकास केंद्र की एनडीए सरकार की बहुत बड़ी प्राथमिकता है। आज बिहार चौतरफा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में पुरानी समस्याओं के समाधान तलाशे गए हैं और नई प्रगति के रास्ते बनाए गए हैं। बिहार में कई बड़ी परियोजनाओं पर चल रहे हैं काम उन्होंने आगे कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री के बयान की चर्चा करते हुए कहा कि आपको याद होगा कि कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री ने मंच से कह दिया था कि अपने राज्य में बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे। इसके बावजूद राजद वाले सोए पड़े थे। बिहार के लोगों से कांग्रेस की इतनी नफरत, कोई भूल नहीं सकता है। एनडीए सरकार अब कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नफरती अभियान का जवाब दे रही है। बिहार के लोगों को बिहार में ही रोजगार मिले और सम्मान की जिंदगी मिले, इसी सोच के साथ हम काम कर रहे हैं। बिहार में कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहे हैं। 15 अगस्त से ही देशभर

राहुल गांधी ने आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के नसबंदी वाले फैसले का स्वागत किया

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों पर उच्चतम न्यायालय के संशोधित निदेर्शों का स्वागत किया और कहा कि यह पशु कल्याण और जन सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि यह दृष्टिकोण न केवल करुणा से ओतप्रोत है बल्कि वैज्ञानिक विवेक वाला भी है। कांग्रेस नेता ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं आवारा कुत्तों पर उच्चतम न्यायालय के संशोधित निदेर्शों का स्वागत करता हूं, क्योंकि यह पशु कल्याण और सार्वजनिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है।" उन्होंने कहा, यह दृष्टिकोण करुणा से ओत प्रोत होने के साथ-साथ वैज्ञानिक तर्क वाला भी है।" उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों से छोड़े जाने पर रोक संबंधी अपने 11 अगस्त के निर्देश में शुक्रवार को संशोधन किया और कहा कि पकड़े गए कुत्तों का बंध्याकरण किया जाए, उनका टीकाकरण किया जाए और उन्हें वापस उन्हीं क्षेत्रों में छोड़ दिया जाए जहां से उन्हें पकड़ा गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने स्पष्ट किया कि रेबीज से संक्रमित या इस बीमारी का संक्रमण होने की आशंका वाले तथा आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों पर यह आदेश लागू नहीं होगा।

पाकिस्तान अभी भी डंपर, आसिम मुनीर ने भी माना, मर्सिडीज वाले बयान पर राजनाथ सिंह ने लिए मजे

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर के हाल ही में दिए बयान को लेकर तंज कसा है। अपने अजीबोगरीब बयान की वजह से मुनीर न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया में ट्रोल हो रहे हैं। मुनीर ने कहा था कि भारत हाईवे पर दौड़ती मर्सिडीज कार है और पाकिस्तान बजरी से भरा एक डंप ट्रक है। इसी बयान को लेकर राजनाथ सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि दो देश एक साथ आजाद हुए और एक ने कड़ी मेहनत, सही नीतियों और दूरदृष्टि से फरारी जैसी अर्थव्यवस्था बनाई, जबकि दूसरा देश अभी भी डंपर की स्थिति में है। ये पाकिस्तान की अपनी नाकामी है। राजनाथ सिंह का तंज रक्षा मंत्री ने कहा कि वे

आसिम मुनीर के इय बयान को एक कन्फेशन के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने जाने-अनजाने में एक ऐसी 'कबीलाई और लुटेरी मानसिकता' की तरफ इशारा किया है, जिसका शिकार पाकिस्तान अपने जन्म से रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा, "हमें यह तय करना होगा कि भारत की समृद्धि, संस्कृति और हमारी आर्थिक संपन्नता के साथ-साथ हमारी रक्षा क्षमता और अपने राष्ट्रीय सम्मान के लिए लड़ने की भावना भी उतनी ही सशक्त बनी रहे।" मुनीर का बयान बता दें, पिछले दिनों अमेरिका के दौरे के दौरान मुनीर ने फ्लोरिडा में पाकिस्तानी मूल के लोगों को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पर बात करते हुए एक अजीब उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत को हाईवे पर दौड़ती मर्सिडीज मान लीजिए, जबकि पाकिस्तान बजरी से भरा डंप ट्रप है। अब सोचिए अगर यह ट्रक मर्सिडीज से भिड़े को असल नुकसान किसका होगा। सऊदी के सामने दोहराई थी यही बात पाकिस्तान आर्मी चीफ का यह बयान भले ही कुछ लोगों के बीच दिया गया था, लेकिन इसके बाद पाकिस्कान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इसे खुले मंच पर दोहराया और कहा था कि भारत के साथ तनाव बढ़ने के बाद सऊदी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की थी, तब भी मुनीर ने यही बात कही थी कि भारत मर्सिडीज है और पाकिस्तान बजरी से भरा ट्रक।

इस मुद्दे पर एक साथ आया गांधी परिवार, राहुल से लेकर मेनका तक ने कर दिया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी): 1980 के दशक के आरंभ से ही राजनीतिक रूप से अलग अलग मत रखने वाले गांधी परिवार के सदस्य आम सहमति के एक दुर्लभ क्षण में दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के संशोधित फैसले का स्वागत करने के लिए एक साथ आए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले आदेश में संशोधन करते हुए निर्देश दिया कि आवारा कुत्तों को टीकाकरण और कृमिनाशक दवा देने के बाद वापस उसी इलाके में छोड़ दिया जाए। हालाँकि, रेबीज से संक्रमित या आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को निर्दिष्ट आश्रय स्थलों में रखा जाना चाहिए। अदालत ने इस मामले का दायरा देशव्यापी भी बढ़ा दिया और

घोषणा की कि वह इस मामले पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करेगी। आवारा पशुओं को छोड़ने पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पशु अधिकार कार्यकताओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें कृमिनाशक दवा दी जाए, टीका लगाया जाए और वापस उसी इलाके में भेज दिया जाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस आदेश का स्वागत करते हुए इसे पशु कल्याण और जन सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण करुणामय और वैज्ञानिक तर्क पर आधारित है। इससे पहले, उन्होंने पिछले निर्देश की आलोचना करते हुए कहा था कि यह क्रूर, अदूरदर्शी और करुणा से रहित है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रमुख पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी, जिन्होंने पहले के आदेश का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थानांतरण और डर कुत्तों के काटने के मुख्य कारण हैं और इस बात को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की आवश्यकता पर जोर दिया कि आक्रामक कुत्ते की क्या परिभाषा है। गांधी ने यह भी बताया कि यह फैसला पूरे देश में लागू होगा और नगर निकायों से उचित पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्र स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि 25 सालों में पहली बार, सरकार ने संसद में कहा है

अमेरिका को सताने लगा भारत का साथ छूटने का डर, घर में ही ट्रंप का विरोध; एक्सपर्ट ने भी सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत पर थोपे गए 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की किरकिरी होने लगी है। उनके समर्थक ही अब उनके आलोचक बन गए हैं। सयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत और रिपब्लिकन सहयोगी निक्की हेली और अमेरिका के अर्थशास्त्री प्रोफेसर जेफ्री सैक्स ने ट्रंप अगर इसी तरह का बर्ताव करते रहे तो भारत का साथ छूट जाएगा। निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका के रिश्ते अगर भारत से खराब होंगे तो चीन इसका फायदा उठा लेगा। वह भारत को अमेरिका के खिलाफ उकसा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो फिर अमेरिका एशिया में चीन को चुनौती नहीं दे पाएगा। 'भारत के साथ न हो चीन जैसा बर्ताव' उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप को ये समझना होगा

कि अमेरिका का दुश्मन चीन है न कि भारत। ऐसे में भारत के साथ चीन जैसा बर्ताव करने की कोई जरूरत नहीं है। इतना ही नहीं निक्की हेली ने यहां तक कहा कि वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच संबंध टूटने की कगार पर हैं और अमेरिका को भारत के साथ संबंधों को वापस पटरी पर लाना ही होगा। 'भारत का साथ बेहद जरूरी' न्यूज वीक मैग्जीन में लिखे एक लेख में निक्की हेली ने कहा, एशिया में शांति बनाए रखने के लिए भारत का साथ बेहद जरूरी है। मिडिल ईस्ट में भारत के बढ़ते प्रभाव का फायदा अमेरिका को भी मिल सकता है। प्रोफेसर सैक्स ने क्या कहा? जेफ्री सैक्स ने निक्की हेली मिलता ही तर्क दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर बेवकूफी की है। इससे अमेरिका पर भारत का भरोसा घटा है। ट्रंप के इस कदम ने ब्रिक्स देशों को और मजबूती दी है और अब भारत, रूस और चीन के ज्यादा करीब हो गया है। उन्होंने ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि भारत पर टैरिफ थोपना कोई रणनीतिक नहीं बल्कि एशिया में सबसे अहम साझेदार के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। इसका असर दूर तक और देर तक रहेगा। भारत जैसे देश के साथ अमेरिका अपने रणनीतिक और कूटनीतिक रिश्ते मजबूत कर रहा था लेकिन भारत के पीछे पड़कर ट्रंप ने रातोंरात सभी कोशिशों पर पानी फेर दिया। सैक्स ने आगे कहा कि अब चाहे ट्रंप टैरिफ को हटा भी लें तो भी फर्क नहीं पड़ने वाला क्योंकि अमेरिका को लेकर भारत ने सबक सीख लिया है

नक्सलियों के समर्थक को बनाया उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार', सुदर्शन रेड्डी को लेकर अमित शाह का बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी): उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इंडी गठबंधन के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि वामपंथी नक्सलियों के समर्थक को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। अमित शाह ने कहा कि उपराष्ट्रपति के चुनाव को साउथ बनाम साउथ के नजरिए से न देखा जाए। देश का उपराष्ट्रपति किसी भी राज्य से आज सकता है। इस तरह से सोचना मेरे हिसाब से ठीक नहीं है। 'केरल में खत्म हुई कांग्रेस की जीत की संभावना' उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन के

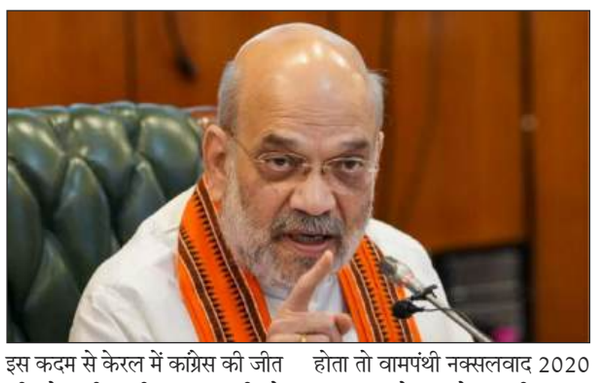

इस कदम से केरल में कांग्रेस की जीत की जो बची कुची संभावना थी वो भी खत्म हो गई। क्योंकि विपक्ष के प्रत्याशी सुर्दशन रेड्डी वही हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद को मदद करने के लिए सलवा जुडूम का जजमेंट दिया था और अगर ये जजमेंट न दिया गया होता तो वामपंथी नक्सलवाद 2020 तक खत्म हो गया होता। यही सज्जन हैं, जिन्होंने विचारधारा से प्रेरित होकर सलवा जूडुम का जजमेंट दिया था। शाह ने कहा कि केरल ने नक्सलवाद का दंश झेला है। गृह मंत्री ने कहा, "केरल की जनता निश्चित रूप से देखेगी कि कांग्रेस पार्टी, वामपंथी दलों के दबाव में एक ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतार रही है जिसने नक्सलवाद का समर्थन किया और सुप्रीम कोर्ट जैसे पवित्र मंच का इस्तेमाल किया।" सुदर्शन रेड्डी ने क्या जजमेंट दिया था? दिसंबर 2011 में, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस रेड्डी ने फैसला सुनाया कि माओवादी विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई में आदिवासी युवकों को विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में इस्तेमाल करना - चाहे उन्हें 'कोया कमांडो' कहा जाए, सलवा जुडूम कहा जाए या किसी और नाम से - गैरकानूनी और असंवैधानिक है। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि उन्हें तुरंत निरस्त्र कर दिया जाए।

संपादकीय

नीयत की खलल

मानसून सत्र समाप्त होने के बस दो दिन शेष होने से पूर्व ही सरकार ने भारी हंगामे के बीच तीन विधेयक पेश किए जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार व लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। तीनों विधेयक संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया गया है। कुछ सदस्यों ने विरोधस्वरूप गृह मंत्री अमित शाह की तरफ कागज फाड़कर भी उड़ाए। विधेयकों पर कहा गया है कि गंभीर दंड़नीय अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे मंत्री को गिरफ्तार किया जाता है या हिरासत में रखा जाता है तो वह संवैधानिक नैतिकता के मापदंड़ों तथा सुशासन के सिद्धांतों को विफल कर सकता है या बाधा ड़ाल सकता है। इससे नागरिकों द्वारा जताए गए विश्वास को कम कर सकता है। इसके लिए संविधान में कोई उपबंध नहीं है। अभी तक दोषी ठहराए जाने पर सांसदी या विधायकी जाती है। विपक्ष ने इसे असंवैधानिक बताते हुए विरोध किया।

बिलों में जम्मू-कश्मीर री-आर्गेनाइजेशन (संशोधन बिल) और द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरेटरीज भी पेश किए। सरकार पर आरोप है कि तमिलनाडु.की ड़ीएमके सरकार में मंत्री रहे वी सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के बाद उपजे विवाद के बाद लाई है। बेशक, अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए गिरफ्तार किया गया था। हालांकि कहा गया कि उन्हें फंसाया गया था। मोदी सरकार ने विपक्षी दलों पर दबाव बनाने के लिए यह दांव खेलना शुरू किया है, जिसकी निंदा हो रही है। मनमाने ढंग या असंगत तरीके से कानूनों को दरकिनार करते हुए विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक नहीं ठहराई जा सकती। इस मसौदे में प्रधानमंत्री को पद से हटाने की बात जोड़ने का तात्पर्य स्पष्ट नहीं है। संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इस तरह के कदम संदेह उपजाते हैं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू करने और आरोप सिद्ध होने के बाद कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए। कानून को अपना काम निष्पक्षता से करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। सरकारी एजेंसियों को आरोप मढ़ने या संदेह पर कोई निर्णय लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। दोषी साबित होने या सजायाफ्ता नेताओं द्वारा बगैर चुने या परिवार वालों को मंत्री/मुख्यमंत्री बनाने का अधिकार भी नहीं होना चाहिए।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?

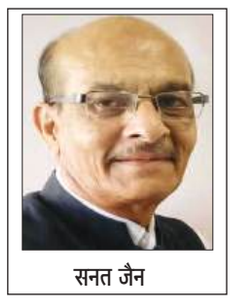

सनत जैन

परिणाम से तय होगा देश का भविष्य...

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा हो गया। जिसके कारण रिक्त पद पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद से पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ अज्ञातवास में है। इस्तीफा के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संसद के दोनों सदनों में पहले ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। सरकार ने बिना चर्चा के एक दर्जन से ज्यादा बिल हंगामा के बीच पास कर दिये। ऑपरेशन सिंदूर में दोनों सदनों में लगभग 16-16 घंटे की चर्चा हुई। इसके अलावा संसद में कोई कामकाज नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तनातनी चल रही है। इस बीच सरकार ने एक नया बिल पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। यदि यह बिल पास हो जाता है, तो केंद्र में जो भी सरकार होगी। वह विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को या किसी भी प्रदेश की राजनीति को अपने ढंग से चलाने में सक्षम हो जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं पर 5000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। कई नेता और अधिकारी जो नया बिल सरकार लेकर आ रही है उसके अनुसार 30 दिन कोई भी मुख्यमंत्री, मंत्री अथवा प्रधानमंत्री हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे उसके पद से हटाया जा सकता है। ईड़ी का जो कानून है, उसके अनुसार न्यायालय से जमानत मिलने का कोई प्रावधान नहीं है। ईड़ी के पास असीमित शक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरीके की कार्रवाई हुई है। उन्हें न्यायालय से जमानत नहीं मिल पाई। कई राज्यों में ईड़ी के कारण विपक्षी दलों की सरकार गिर गई या राजनीतिक अस्थिरता फैल गई। इस बिल को सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों और विपक्षी दलों में इस बात का भय उत्पन्न हो गया है। यह बिल पास हो जाएगा, उसके बाद देश में विपक्षी राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय दलों का कोई काम नहीं रह जाएगा। ऐसे विषम स्थिति पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। सत्ता पक्ष की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को चुनाव मैदान में उतरा गया है। वह संघ एवं भाजपा से कई दशकों से जुड़े हुए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए राजभवन से गिरफ्तार किया गया था। तब वह झारखंड के राज्यपाल थे। जगदीप धनखड़ भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ाकर राज्यसभा का सभापति बना दिया था। राज्यसभा में उन्होंने किस तरीके से काम किया है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह से सरकार के ही इशारे पर संसदीय कार्य करते हैं। उससे संसदीय परंपरा मैं विपक्ष मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है। वर्तमान स्थिति में मोदी सरकार गठबंधन की सहायता से चल रही है। राहुल गांधी ने लोकसभा 2024 और विधानसभाओं के चुनावों में जिस तरह की गड़बड़ियों हुई हैं। इसको उजागर कर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सभी विपक्षी राजनीतिक दल, चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही थी। इसी बीच सरकार द्वारा जो बिल संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। उसमें 30 दिन तक कोई भी मुख्यमंत्री अथवा मंत्री गिरफ्तार किया जाता है, 30 दिन हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे बर्खास्त किया जा सकता है। इसको लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल भी सरकार के इस बिल को लेकर कहीं ना कहीं संसय में आ गए हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के सीपी राधा कृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन में फूट डालने और सत्ता पक्ष ने तमिल की राजनीति में एक दांव चला था। विपक्ष ने उसकी पहचाना, विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो आंध्र प्रदेश से आते हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाकर सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में शह और मात का जो खेल शुरू हुआ है, उसका परिणाम क्या होगा, कहना मुश्किल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों उम्मीदवार एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। जिस तरह का संघर्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच देखने को मिल रहा है वह रोमांचकारी है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सीधी लड़ाई में जनता की अदालत में लड़ाई लड़ रहा है। सत्ता पक्ष अभी तक संवैधानिक संस्थाओं और अदालतों के पीछे छिपकर जो खेल खेल रहा था, उसे विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष जनता की अदालत में जाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को लेकर जो नियम और कानून बनाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोक सभा सीट के एक विधानसभा सीट में चुनाव आयोग द्वारा की गड़बड़ी उजागर किया है। संविधान और लोकतंत्र बचाने यह की एक लड़ाई बना दिया है। इस लड़ाई में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव देश के भविष्य को तय करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। विपक्षी एक जुटता ने सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी है। खुदा ना खास्ता विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी यह चुनाव जीत जाते हैं, या बहुत कम वोटो से हारते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए भविष्य में परेशानी खड़ी होगी। केन्द्र की अल्पमत की सरकार कितने दिन चलेगी। यह कहना मुश्किल होगा। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जिस तरह से इस्तीफा लिया गया है। उसको लेकर भी सांसदों में एक डर और भय देखने को मिल रहा है। भविष्य में इसकी परणति किस रूप में होगी, कहना मुश्किल है। इतना तय है, सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ने जा रही है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव परिणाम का ऊंट किस करवट बैठेगा। इसको लेकर सत्ता पक्ष की धड़कने तेज हो गई हैं।

चिंताः कॉफी पाउड़र, कॉकरोच और शाकाहार

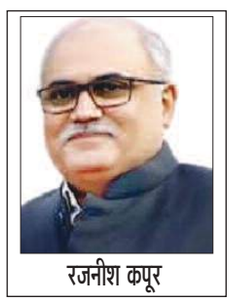

रजनीश कपूर

भारत में कॉफी और चाय न केवल पेय हैं, बल्कि हमारे सामाजिक मेलजोल और रोजमर्रा की जिंदगी के अभिन्न हिस्से बन चुके हैं। सुबह की ताजगी हो या दोस्तों के साथ गपशप, कॉफी का एक कप हमें जोड़ता है। लेकिन क्या हो अगर यह कॉफी, जिसे हम शुद्ध और शाकाहारी मानते हैं, वास्तव में शाकाहारी न हो? हाल में सोशल मीडिया में कुछ खबरों और अध्ययनों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि कॉफी पाउडर में कॉकरोच जैसे कीड़ों की मिलावट हो सकती है। यह न केवल खाद्य सुरक्षा का सवाल उठाता है, बल्कि उन लाखों शाकाहारी लोगों के विश्वास को भी तोड़ता है जो अपने आहार को लेकर सजग रहते हैं। पेय और खाद्य पदार्थों में बढ़ती मिलावट की समस्या एक गंभीर मुद्दा है जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

कॉफी पाउडर में कॉकरोच की मौजूदगी का विचार ही किसी के लिए भी घृणित हो सकता है, लेकिन यह केवल एक डरावनी कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है जो खाद्य प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण की कमियों को उजागर करती है। कुछ अध्ययनों और उपभोक्ता शिकायतों के अनुसार, सस्ते और निम्न गुणवत्ता वाले कॉफी पाउडर में कीड़े, कॉकरोचों के अवशेष और अन्य अशुद्धियां पाई गई हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन ब्रांडों में देखी गई है, जो लागत कम करने के लिए निम्न गुणवत्ता वाले कच्चे माल का उपयोग करते हैं, या जिनके उत्पादन इकाइयों में स्वच्छता मानकों का पालन नहीं होता। कॉकरोच जैसे कीड़े न केवल कॉफी को अशुद्ध करते हैं, बल्कि इसे शाकाहारी पेय की श्रेणी से बाहर भी ले जाते हैं। भारत जैसे देश, जहां शाकाहार न केवल आहार है बल्कि धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्य भी है, में यह एक गंभीर मुद्दा है। शाकाहारी लोग अपने भोजन और पेय में पशु-आधारित सामग्री से बचते हैं, लेकिन ऐसी मिलावट उनकी पसंद और विश्वास का उल्लंघन करती है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि नैतिकता और विश्वास का भी सवाल है। वहीं यदि कोई कॉफी के साबुत बीन्स को स्वयं ही पीस कर कॉफी बनाए तो उसमें मिलावट का डर नहीं रहता।

कॉफी पाउडर में कॉकरोचों की मिलावट केवल एक उदाहरण है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या भारत में लंबे समय से चली आ रही है। दूध, मसाले, शहद, घी यहां तक कि अनाज जैसे रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ भी मिलावट के शिकार हैं। दूध में पानीङ्क यूरिया या डिटर्जंट मिलाने की खबरें आम हैं। मसालों में कृत्रिम रंग, चूरा या इ्रट का पाउडर मिलाया जाता है। शहद में चीनी का सिरप और घी में वनस्पति तेल की मिलावट नई बात नहीं है। इनमें से कई मिलावटें न केवल शाकाहारी भोजन को प्रभावित करती हैं, बल्कि कुछ मामलों में पशु-आधारित सामग्री भी शामिल हो सकती हैं। कुछ सस्ते घी ब्रांडों में पशु वसा की मिलावट भी पाई गई है, जिसे शाकाहारी पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं। कुछ मिठाइयों और बेकरी उत्पादों में अंडे या पशु-आधारित जेलाटिन का उपयोग होता है, जिसे पैकेजिंग पर स्पष्ट रूप से नहीं बताया जाता। मिलावट का प्रभाव स्वाद या गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, यह स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है। कॉकरोच और अन्य कीड़े बैक्टीरिया और रोगजनकों के वाहक हो सकते हैं, जो कॉफी के सेवन से पेट की बीमारियों, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण बन सकते हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों में रासायनिक पदार्थों का उपयोग जैसे कृत्रिम रंग या संरक्षक, दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे कैंसर, गुर्दे की बीमारी और हृदय रोगों को जन्म दे सकता है।

शाकाहारी लोग अपने आहार को लेकर इसलिए सजग रहते हैं कि यह उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक-पर्यावरणीय मान्यताओं का हिस्सा है। जब उन्हें पता चलता है कि उनका भोजन शाकाहारी नहीं है, तो उनके विश्वास और मूल्यों पर चोट पड़ती है। खाद्य कंपनियों और नियामक संस्थानों पर भी सवाल उठाता है कि वे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहे। मिलावट के कई कारण हैं-पहला, लागत कम करने की होड़, दूसरा, खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन न होना और निरीक्षण की कमी, तीसरा, उपभोक्ताओं में जागरूकता की कमी।

इस समस्या का समाधान तभी संभव है जब सभी हितधारक मिलकर काम करें। सरकार को खाद्य सुरक्षा मानकों को और सख्त करना चाहिए और नियमित

निरीक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। खाद्य कंपनियों को पारदर्शिता बरतनी चाहिए और अपने उत्पादों की सामग्री को स्पष्ट रूप से पैकेजिंग पर उल्लेख करना चाहिए। उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा और विश्वसनीय ब्रांडों को चुनना होगा। सरकार, खाद्य कंपनियों और उपभोक्ताओं को मिल कर इस समस्या का समाधान करना होगा ताकि हमारा भोजन और पेय न केवल स्वादिष्ट हो, बल्कि शुद्ध-नैतिक भी हो। कॉफी का कप हमें ताजगी और खुशी देता है, और यह हमारा अधिकार है कि यह शाकाहारी और सुरक्षित रहे।

(लेख में विचार निजी हैं)

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों

को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पदार्फाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बबार्दी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरूआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुमार्ना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

अग्रवाल समाज अमरोहा के नव नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संभाली बागडोर, समाज सेवा को बनाया एजेंडा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले में अग्रवाल समाज की नई कार्यकारिणी का गठन आर्य समाज मंदिर मोह कोट अमरोहा में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में किया गया। समाज के गणमान्य लोगों और पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुए इस आयोजन में सर्वसम्मति से विशाल गर्ग को अध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने हाथ उठाकर अपना समर्थन व्यक्त किया और समाज की एकजुटता का परिचय दिया।चुनाव प्रक्रिया के बाद अध्यक्ष पद पर आसीन हुए विशाल गर्ग ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की। उन्होंने आकाश गोयल को महामंत्री और अचल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया। समाज के वरिष्ठ सदस्य शंभू दयाल अग्रवाल को संरक्षक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके कार्यकाल के सफल होने की कामना की। अध्यक्ष विशाल गर्ग ने कहा कि यह विश्वास और जिम्मेदारी उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले समय में समाज की एकता को मजबूत करने, युवाओं को आगे बढ़ाने और शिक्षा व सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने हर वर्ग को साथ लेकर समाज को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने नई कार्यकारिणी पर भरोसा जताते हुए कहा कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी निश्चित रूप से अग्रवाल समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। मंच से लेकर सभा तक तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही और माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। अग्रवाल समाज अमरोहा के इस चुनाव ने न केवल संगठन को नई ऊर्जा दी बल्कि आने वाले वर्ष के लिए सेवा और विकास का मार्ग भी तय कर दिया है। इस अवसर पर करुणेश गोयल, डॉ आशुतोष गोयल, डॉ सरल राघव, डॉ अनुज गोयल, मनोज अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, शार्दूल अग्रवाल, अक्षत अग्रवाल, सचिन गोयल, निखिल अग्रवाल, अनुज गोयल, संजय कुमार अग्रवाल, प्रवेश अग्रवाल, दीपक मित्तल, बृज नारायण अग्रवाल, दीपक बंसल, मनुज गोयल, आशीष गोयल, अभय सिंघल, देवेंद्र मोहन गुप्ता, मनु कमल गुप्ता, विपुल गर्ग, वरुण गुप्ता, अभय आर्य, आदित्य गोयल, प्रवीण अग्रवाल, अम्बर गोयल, तनुज गोयल, नवीन अग्रवाल, रचित गोयल आदि बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज अमरोहा के सदस्य उपस्थित रहे।

बूथ समिति की बैठक का किया गया आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे बूथ शशक्तिकरण एवं मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत हसनपुर क्षेत्र के ग्राम धौरिया में शक्ति केंद्र कुदेनी के कार्यकताओं एवं बूथ समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में देश ने अभूत पूर्व तरक्की की है। विश्व पटल पर देश का सम्मान बढ़ा है। आज भारत विकसित देशों की पंक्ति में खड़ा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सामाजिक एकता और श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। पार्टी द्वारा बूथ शशक्तिकरण एवं मतदाता पुनरीक्षण के कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं। कृष्ण कुमार शर्मा ने एकजुट होकर अभियान सफल बनाने की कार्यकताओं से अपील की। इस अवसर पर भोजराम सिंह, देवेंद्र खड़गवंशी, पूरन सिंह, महेंद्र सिंह, नन्हे सैनी, उमेश शर्मा, इकबाल सिंह, मोहित, मोनी, विपिन कुमार, सोनू कुमार छोटन आदि मौजूद रहे।

स्कूली छात्रों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में यातायात पुलिस अमरोहा द्वारा स्कूली छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों को सड़क सुरक्षा से जुड़े आवश्यक नियमों की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि सड़क पार करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ट्रैफिक सिग्नल का पालन क्यों आवश्यक है तथा हेलमेट और सीट बेल्ट जीवन की सुरक्षा के लिये कितने जरूरी हैं। मौके पर ही छात्रों को सड़क यातायात मैनेजमेंट का वास्तविक प्रशिक्षण कराते हुए ट्रैफिक व्यवस्था संभालने का अनुभव भी दिया गया, जिससे बच्चों में यातायात अनुशासन की समझ विकसित हो सके। इस नवाचारपूर्ण पहल से न सिर्फ बच्चों में जागरूकता बढ़ेगी बल्कि वे आगे चलकर समाज को सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवस्था का संदेश भी देंगे।

भाजपा नेता पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने बूथ अध्यक्ष व बूथ समिति का किया सत्यापन

नोगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना) शौसिहं सैनीः- शुक्रवार को नौगांवा सादात मंडल के एक बैठक शक्ति केंद्र संयोजक हाजी शहाबुद्दीन अंसारी के आवास पर की गई। यह बैठक सभी बूथ अध्यक्षो एवं बूथ की कमेटी के सत्यापन के लिए की गई। बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने सभी बूथ अध्यक्षों का और बूथ समिति का सत्यापन किया। वीरेंद्र सिंह सैनी ने सभी बूथ अध्यक्षों को अवगत कराते हुए कहा कि अपने-अपने बूथ पर जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो गई है। उनके नए वोट बनवाने हैं और जिन लोगों की मृत्यु हो गई है ऐसे वोट कटवाने और जो व्यक्ति बाहर चले गए हैं। जिन्होंने अपना आशियाना दूसरे शहरों में बना लिया है ऐसे व्यक्तियों के भी वोट बीएलओ के माध्यम से कटवाने है। आने वाले 2027 के चुनाव के लिए अभी से सभी कार्यकताओं को चुनाव की तैयारी में जी जान से जुटना है और पुनः उत्तर प्रदेश में 2027 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने इस संकल्प के साथ हम सभी को अपने संगठन को और ज्यादा मजबूत करना है। इस अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी, सेक्टर संयोजक हाजी सहाबुद्दीन अंसारी, बूथ अध्यक्ष अरशद हयात ,नसीम अंसारी, मेराज अंसारी, मोहम्मद जरिश अहमद आदि मौजूद रहे।

बंदरों व आवारा पशुओं के डर से ग्रामवासियों का जीना हुआ दुशवार

विकासखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर पकड़वाने की मांग की

हसनपुर अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरीः- भारतीय किसान यूनियन (भानू) के कार्यकताओं ने बंदरों व आवारा पशुओं से निजात दिलाने के लिए एक ज्ञापन विकासखंड अधिकारी को सोपा। जिसमे विकासखंड अधिकारी को बंदरो व आवारा पशुओं के बारे में ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि रोजाना बंदरों व आवारा पशुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है, कुछ लोग बाहर से बंदर छोड़कर जा रहे हैं। जो ग्राम वासियों पर निरंतर हमला कर रहे हैं। जिसमे ग्राम बुरावली, ग्राम फरोर्टा, ग्राम पिपलोती व ग्राम जयतोली खुर्द में बंदरों व आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से यह भी बताया गया कि गांवों में मच्छरों से मुक्ति पाने के लिए दवाई का छिड़काव भी किया जाए। कहा की मांगे पूरी न होने पर भारतीय किसान यूनियन (भानू) धरना प्रदर्शन के लिए विवश होगा। इस अवसर पर बबीता गुर्जर जिला अध्यक्ष, डॉ हाशिम चौधरी जिला उपाध्यक्ष, राहुल गुप्ता, बबलू गुर्जर, अब्दुल वहाब, सुमित त्यागी ब्लॉक उपाध्यक्ष, राजीव त्यागी, कोमल शर्मा, नासिर सैफी, साहिल चौधरी, इस्माइल, राजीव कुमार, मैराज व लाखो की तादाद में लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन कनविक्शन के तहत मुकदमों की प्रभावी पैरवी हेतु दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार में ए.डी.जी.सी. (ADGC), एस.पी.ओ. (SPO) एवं जनपद के सभी थानों के पैरोकारों के साथ गोष्ठी कर ऑपरेशन कनविक्शन के तहत चिन्हित विभिन्न मुकदमों की प्रभावी पैरवी हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । गोष्ठी कर न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को दंडित करवाने तथा पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन कनविक्शन के तहत चिन्हित विभिन्न मुकदमों की प्रभावी पैरवी हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान सभी पैरोकारों से गैंगस्टर, माफिया, महिला संबंधी, पॉक्सो एक्ट, गोवध अधिनियम के अपराधों एवं लगातार मॉनिटरिंग हेतु चिन्हित किए गए जघन्य अपराधों से संबंधित अभियोगों की न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने एवं उनसे संबंधित साक्षियों की समय से गवाही कराने जिससे समय रहते अभियुक्तों को जल्द से जल्द सजा कराई जा सके, के निर्देश दिए । साथ ही मुकदमों से संबंधित केस डायरी, आरोप पत्र/अंतिम रिपोर्ट एवं अन्य अभिलेख न्यायालय में समय से दाखिल कराने, मुकदमों से संबंधित समस्त गवाहानों के बयान अंकित कराने एवं न्यायालय द्वारा जारी आदेशिकाओं को समय से तामिला कराने के बाद न्यायालय में दाखिल करने के निर्देश दिए। बताया गया कि जिस प्रकार से मुकदमों की प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को सजा करायी जा रही है वह सराहनीय है, लेकिन इसमें और ज्यादा तेजी और मजबूती लाये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया । अपर पुलिस अधीक्षक ने बैठक में निर्देशित किया कि अपराधियों को त्वरित एवं निश्चित सजा दिलाने हेतु प्रभावी पैरवी की जाए तथा वादियों को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए सभी पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता से कार्य करें। अतः प्रत्येक प्रकरण की गहन समीक्षा कर उसे प्रभावी ढंग से न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए ताकि अपराधियों को शीघ्र सजा मिल सके। बैठक के दौरान पैरोकारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा उनसे अपेक्षा की गयी कि वे पुलिस एवं अभियोजन पक्ष के बीच बेहतर तालमेल बनाते हुए गुणवत्तापूर्ण पैरवी सुनिश्चित करें।

जे एस हिन्दू इंटर कॉलेज के BIS क्लब के छात्र-छात्राओं को भारतीय मानक ब्यूरो कि दी गई जानकारी

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- भारतीय मानक ब्यूरो की गाजियाबाद शाखा से आए प्रियांशु आर्य ने जे एस हिन्दू इंटर कॉलेज के इक्र क्लब के छात्र-छात्राओं को भारतीय मानक ब्यूरो की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराते हुए मानकीकरण का महत्व समझाया । दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले हेलमेट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा हेलमेट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर आधारित एक क्विज प्रतियोगिता भी क्लब के सदस्यों के बीच आयोजित कराई इसमें संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर कक्षा 12 इ के पलक तथा शिवम सैनी , द्वितीय स्थान पर शिवम गौतम एवं कृष कुमार कक्षा 12 इ तथा तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से राज बहादुर एवं सुमैरा कक्षा 11 इ रहे। इस अवसर पर मेंटर शैलेष कुमार पंकज ने छात्र-छात्राओं से इक्र केयर ऐप का उपयोग कर विभिन्न खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जॉचने तथा सोने से बनी कोई भी वस्तु खरीदते समय उस पर हॉलमार्क तथा एच यू आई डी नंबर अवश्य देखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर जी पी सिंह , अवधेश कुमार ,अनिल कुमार , सुधीर कुमार गुप्ता ने इक्र केयर ऐप की उपयोगिता को समझा तथा भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की ।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी / कार्यक्रम अधिकारी वि.खंड जोया, (अमरोहा)

पत्रांक 1309 **मनरेगा 2025/26** **दिनाँक** : 23/8/2025

निविदा विज्ञप्ति

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के अन्तर्गत सामग्री अंश से अनुमन्य कार्यों पर मास्टर सर्कुलर के पैरा 7.1.7 (C) के अनुसार विकास खण्ड जोया की समस्त 124 ग्राम पंचायतो के लिये लेबर बजट / आवश्यकतानुसार मनरेगा वेबसाईट पर जनपद अमरोहा के SOR में दर्शित सामग्री (विशिष्टता एवं इकाई के अनुसार) की प्रति- स्पर्धात्मक दरों पर 31 मार्च 2026 तक सामग्री की आपूर्ति के लिए Rate of Contract के तहत सूचीबद्ध (पैनल बनाने) करने के लिये मनरेगा में पंजीकृत इच्छुक फर्मों से सीलबन्द निविदायें दिनांक 12.09.2025 तक दोपहर 12 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक को सांय 04 बजे निविदादाताओं / फर्मों तथा गठित समिति के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र एवं आवश्यक शर्तें विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से दिनांक 11.09.2025 तक किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में मनरेगा लेखा सहायक पटल / मनरेगा सेल से क्रय की जा सकती है तथा नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। यदि निविदा खोलने के तिथि को सार्वजनिक अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्यदिवस को दोपहर 12 बजे खोली जायेगी।

क0स0 1	सामग्री की मद, इकाई एवं विशिष्टता	मात्रा	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित)
	ईंट 150, सीमेन्ट, बजरपुट, बजरी, रेत, ई0टाईल्स 80एमएम. बालू रेत, ईंट की रोडी, पत्थर की रोडी, सरिया, सीमेन्ट की चादर लोहे के पाईप एवं मनरेगा के राज्य सरकार के SOR में समस्त दर्शित सामग्री (उसकी ईकाई एवं विशिष्टता केअनुसार)	ग्राम पंचायतो की मांग के अनुसार / आवश्यकतानुसार	766.50

नियम एवं शर्तें :-

1- इच्छुक फर्म द्वारा निविदा लिफाफे में सीलबन्द करते हुए डाली जायेंगी ।
2- निविदा में जी0एस0टी0 रजिस्ट्रेशन (रेगुलर फर्म), पैन नं0, की स्वप्रमाणित छाया प्रति 100 रू0 के स्टाम्प पर इस आशय का शपथपत्र की फर्म पर कोई सरकारी देनदारी नही है तथा ब्लैकलिस्टेड नहीं है तथा सभी शर्तों के अनुसार आपूर्ति करने के लिए तैयार है तथा गत 03 वर्षों की जी0एस0टी0 रिटर्न की छायाप्रति, चरित्र प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया, सामग्री की लोक निर्माण विभाग या अन्य मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से सामग्री परिक्षण की रिपोर्ट (इन्टरलॉकिंग टाईल्स हेतु) संलग्न की जायेगी।
3 - सामग्री की दर किसी भी दशा में जनपद अमरोहा के मनरेगा के SOR के अनुसार निर्धारित दर से अधिक नहीं होगी।
4- फर्म की निविदा की दर न्यूनतम होने पर तथा स्वीकृत किये जाने की दशा में सूचीबद्ध / पैनल में रखा जायेगा। पैनल की फर्मों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ अनुबन्ध अनिवार्य रूप से किया जायेगा। तथा अनुबन्ध होने पर सामग्री की आपूर्ति के लिये ग्राम पंचायतो का निर्धारण पृथक से किया जायेगा तथा 25000.00 रू0 की एफ०डी०आर० परफॉर्मेन्स सिक्योरिटी खण्ड विकास अधिकारी जोया के नाम बन्धक की जायेगी।
5- जीएसटी में कम्पोजिट फर्म के रूप में पंजीकृत फर्म की निविदा किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जायेगी।
6- सफल फर्मों द्वारा आपूर्ति की गयी सामग्री के सापेक्ष प्रस्तुत किये गये बिलों में चार्ज की गयी जीएसटी की धनराशि राज्य कर विभाग में जमा करने के साक्ष्य के रूप में जीएसटीआर-9 एवं जीएसटीआर 3 बी / साक्ष्य के रूप में अन्य अभिलेख प्रस्तुत करने पर ही भुगतान किया जायेगा।
7- निविदा में सामग्री की स्वीकृत दरें 31 मार्च 2026 तक के लिए मान्य होंगी।
8- यदि निविदा स्वीकृति की तिथि से 31 मार्च 2026 के मध्य जनपद अमरोहा के SOR पर सामग्री की दर्शित दरों में परिवर्तन होता है तब SOR की दरों में अधिकता होने पर फर्म की स्वीकृत दरों पर ही उनकी सहमति के आधार पर आपूर्ति ली जायेगी तथा असहमत होने पर पुनः निविदा की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी, SOR की दरों में कमी आने पर पुनः निविदा की कार्यवाही अनिवार्य रूप से की जायेगी तथा यह निविदा की कार्यवाही निरस्त मानी जायेगी।
9- फर्म को आपूर्ति आदेश ग्राम पंचायत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अनुमोदन के उपरान्त जारी किये जायेंगे तथा विशेष परिस्थति में आपूर्ति आदेश अधोहस्ताक्षरी द्वारा जारी किये जा सकते है।
10- सामग्री आपूर्ति शासनादेश सं0 7/2023/DFA / 510660 / 38-7099 / 2478 / 2019 ग्राम्य विकास अनुभाग-7 लखनऊ दिनांक 26 जुलाई 2023 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार परीक्षण में मानक एवं विशिष्टयों के अनुसार नही पायी गयी तो परफॉर्मेन्स सिक्योरिटी जब्त कर ली जायेगी तथा फर्म को ब्लैकलिस्टेड करने की कार्यवाही की जायेगी।
11- यदि फर्म द्वारा निर्धारित ग्राम पंचायत की मांग पर समय से सामग्री की आपूर्ति नही की जाती है तो बंधक की गयी एफ0डी0आर0 जब्त कर ली जायेगी तथा सूचीबद्ध दूसरी फर्म को सामग्री की आपूर्ति करने के लिये अधिकृत कर दिया जायेगा।
12- निविदा बिना कारण बताए स्थगित / रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।
13- किसी भी विवाद की स्थिति में अधोहस्ताक्षरी का निर्णय अंतिम एव सर्वमान्य होगा तथा न्यायालय क्षेत्र जनपद अमरोहा होगा ।

खण्ड विकास अधिकारी / कार्यक्रम अधिकारी
वि. खण्ड जोया, (अमरोहा)

संपत्ति बेदखली व संबंध विच्छेद सूचना

नफीसा पत्नी असगर मरहूम,नि. मो. होली वाला-कुम्हारों वाली गली, हसनपुर जिला अमरोहा अपने पुत्र सलीम पुत्र असगर व उसकी पत्नी अंजुम पत्नी सलीम नि. मो. होली वाला- हसनपुर को उसकी गलत प्रवृत्तियों, संदिग्ध गतिविधियों तथा असभ्य आचरण व अपमानजनक व्यवहार के कारण उन दोनों से अपने संबंध विच्छेद करने की घोषणा करती हूं । और उन्हें अपनी विरासत तथा अपनी संपत्ति एक किता पक्का मकान लगभग 160 गज, स्थित मोहल्ला होली वाला,कुम्हारों वाली गली, हसनपुर जिला अमरोहा से बेदखल करने की घोषणा करती हूं । मेरे जीवन काल तथा मेरी मृत्यु के बाद सलीम अंजुम उपरोक्त इस संपत्ति में हिस्सेदार नहीं होंगे । उन्हें इस मकान में रहने उपयोग करने अथवा किराए पर देने या विक्रय करने का कोई अधिकार नहीं होगा। सलीम व अंजुम उपरोक्त के किसी भी वैध अथवा अवैध कार्य, वित्तीय लेनदेन आदि किसी भी कृत्य के लिए मैं नफीसा उपरोक्त अथवा मेरे अन्य परिजन जिम्मेदार नहीं होंगे ।

ग्राम पंचायत तेलीपुरा माफी में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत तेलीपुरा माफी विकास खण्ड जोया, तह0 अमरोहा, जनपद अमरोहा में स्थित पंचायत भवन में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौपाल में विभागों द्वारा संचालित योजनाओं/ कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की कर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना और योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे लाभार्थियों से पूर्ण जानकारी प्राप्त की। चौपाल में जिलाधिकारी ने गांव में सफाई कर्मियों द्वारा सफाई कार्य ,नाली निर्माण कार्य, नाली पर जाल, फॉगिंग, शौचालय का निर्माण, मनरेगा के कार्य, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, स्कूल में बच्चों की उपस्थिति, मिड-डे-मील, स्वयं सहायता समूह आदि सहित विभिन्न संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होनें विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चो से जानकारी ली की मिड-डे-मील में फल, दूध का वितरण हो रहा है अथवा नही। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन का फोकस है जनभागीदारी, सरकारी योजनाओं का उचित, संचालन कर उनका लाभ सभी पात्र लाभार्थियों का प्राप्त हो। उन्होनें कहा कि हम सभी बेसिक कार्य जैसे तालाबों में साफ-सफाई करें, तालाबों में अतिक्रमण न करें, हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, एक पेड़ मां के नाम, मनरेगा, ऑपरेशन कायाकल्प आदि विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं लेकिन हमें उन योजनाओं को अपनी भी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी तब वास्तव में वह सफल होगी। उन्होनें कहा कि आप तालाबों के किनारे पेड़ लगाए, अपने खेत की मेड़ पर पेड़ लगाए और अपने आसपास साफ-सफाई रखें, व्यर्थ पानी न बहायें, पानी का प्रयोग उतना ही करें जितना आवश्यकता हो। उन्होंने कहा सरकार द्वारा महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक योजना संचालित है। उन्होनें मुख्यमंत्री युवा युद्यमी योजना, स्वयं सहायता समूह आदि की विस्तृत जानकारी युवाओं को और ग्रामवासियों को दी। उन्होंने ग्रामवासियों से स्वच्छता समिति व जल समिति का गठन हुआ है अथवा नहीं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह समितियां जागरूकता के लिए होती है यह समितियां जागरुक करते हैं कि व्यर्थ पानी न खराब करें, वृक्ष न काटे। उन्होनें कहा कि वृक्षों को बचाना भी एक आवश्यक जनभागीदारी है, जो शक्ति है जिससे गांव स्वच्छ और स्वस्थ रहेंगे और यह आप सबके लिए आपके गांव के लिए और आपके बच्चों के लिए बहुत ही आवश्यक है। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने कहा कि आज इस चौपाल में सोशल स्कीम की चचाएं की गई और जो समस्याएं आई हैं उनका 02 दिन में निस्तारण कर रिपोर्ट लिखित में संबंधित अधिकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा स्वच्छता के लिए सभी की भागीदारी आवश्यक है, जिसके लिये ग्राम प्रधान बैठक करें और गांव को हरा भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा पेयजल योजना के अंतर्गत टंकी बनी गई है पानी का संचालन किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से आहान किया कि स्वरोजगार शुरू करें जिसके लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ प्राप्त कर और लोगों को जोड़ें। उन्होंने कहा कि तेलीपुरा ग्राम में खेलकूद के मैदान की समस्या है भूमि चिन्हित कर खेलकूद के लिये मैदान की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने सभी ग्राम वासियों से आहान किया कि निराश्रित गोवंशों को ऐसे ना छोड़े संबंधित को सूचना दें और उन्हें गौशाला में छोड़ें। चौपाल के उपरांत जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों से सवाल जवाब किये। इस अवसर पर उन्होंने दो बच्चियों का अन्न प्रासन कराकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और उपस्थित बच्चों को केलों का वितरण किया। तदोपरांत जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पंचायत भवन प्रांगण में वृक्षारोपण किया। तदोपरान्त जिलाधिकारी ने अमृत वाटिका एवं अमृत सरोवर का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर शशिभूषण पाठक, पीडीडीआरडीए अमरीश कुमार, तहसीलदार, सहित समस्त अधिकारी/कर्मचारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सखी वन स्टॉप सेन्टर के कार्मिको द्वारा बिछडे मूकवाधिर बच्चे को माता-पिता से मिलाया गया

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में दिनांक 20.08.2025, समयः 10.45 को एस0आई0 महिला आरक्षी, थाना अमरोहा द्वारा अज्ञात मूकवाधिर बच्चा (लगभग 07 वर्ष) को बालिका समझकर सखी वन स्टॉप सेन्टर, अमराहो में आवासित हेतु लाया गया था। महिला आरक्षी द्वारा बताया गया कि बच्चा घूमता फिरता हुआ पाया गया था। अज्ञात मूकवधिर बच्चा अपने माता-पिता एवं घर का पता बताने में असमर्थ था। सखी वन स्टॉप सेन्टर अमरोहा के कार्मिको एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर अमरोहा मे नियुक्त महिला आरक्षी द्वारा बच्चे के माता -पिता का पता लगाने का काफी प्रयास किया गया। सखी वन स्टॉप सेन्टर अमरोहा के कार्मिको एवं महिला आरक्षी द्वारा बच्चे का वीडियों बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया। उस वीडियों को परिवारजन द्वारा देखा गया और बच्चे के माता-पिता द्वारा सखी वन स्टॉप सेन्टर, अमरोहा के कार्मिक से सम्पर्क किया गया। माता-पिता द्वारा बताया गया कि बच्चे का नाम अभय है जो खेलते खेलते घर से निकल गया था। माता-पिता द्वारा आभार व्यक्त किया गया कि आपलागों के सहयोग से मेरा बच्चा मुझे मिल गया है। सखी वन स्टॉप सेन्टर अमरोहा के कार्मिको को विश्वास दिलाया कि आगे चल कर दुबारा कोई शिकायत का मौका नही देगे और बच्चे को दिव्यांग स्कूल मे भर्ती करवायेगे। इसके बाद बच्चे को चाइल्ड हेल्पलाइन एवं बाल कल्याण समिति, अमरोहा द्वारा माता- पिता के साथ सुर्पुद कर दिया गया है।

डायल 112 पुलिस ने तीन चार वर्ष के गुमशुदा अबोध बच्चे को तलाश कर परिजनों को सौंपा

संभल(सब का सपना):- थाना गुन्नौर में संचालित यूपी-112 पुलिस को सूचना प्राप्त हुई, जिसमे कॉलर तपसीर ने बताया कि एक गुमशुदा अबोध बच्चा रोड के किनारे खड़ा जोर जोर से रो रहा है जो अपने घर का रास्ता भूल गया है पुलिस की सहायता चाहिए। इस पर पीआरवी कर्मियों द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए घटनास्थल नेहरू चौक थाना गुन्नौर में जाकर देखा कि एक बच्चा जिसकी उम्र करीब तीन से चार वर्ष है सड़क किनारे खड़ा जोर-जोर से रो रहा है पुलिस कर्मियो द्वारा बच्चे के घर का पता पूछा लेकिन बच्चा ज्यादा छोटा होने के कारण अपना नाम व घर का पता नही बता पा रहा था। पीआरवी कर्मियों ने तत्काल संबंधित थाना गुन्नौर को अवगत कराते हुए अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए बच्चे को अपने साथ लेकर आस-पास के लोगों से बच्चे के घर एवं परिजनो की तलाश शुरू की गयी। काफी देर तलाश करने के बाद गुमशुदा अबोध बच्चे की माता को ढूंढ कर बच्चे को उसकी माता निवासी मौ० टंकी थाना गुन्नौर जनपद सम्भल के सुपूर्द किया गया। जिसकी जनता द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी तथा बच्चे की माता एवं परिजनो ने कोटि-कोटि धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

डॉ सोरन सिंह चौधरी के कैम्प कार्यालय पर पहुंचे (राज्यमंत्री उ.प्र. सरकार) दानिश आजाद अंसारी

भाजपा नेता डॉ सोरन सिंह चौधरी ने साथियों संग मिलकर किया स्वागत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- शुक्रवार को भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी के कैंप कार्यालय पर दानिश आजाद अंसारी (राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) का आगमन हुआ। जिनका उन्होंने अपने साथियों एवं पार्टी के पदाधिकारी के साथ मिलकर भव्य स्वागत किया। बता दें कि दानिश आजाद अंसारी शुक्रवार को अपनी काफिले के साथ दिल्ली से संभल एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह गजरौला पहुंचे तो उन्होंने भाजपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान डॉ सोरन सिंह चौधरी उन्हें अपने साथ अपने कैंप कार्यालय पर लेकर पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा पदाधिकारीयों एवं साथियों संग मिलकर दानिश आजाद अंसारी का फूल मलाए पहनाकर एवं बुके देकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान वहां पर मुख्य रूप से सरदार स्वर्णजीत सिंह ,डॉक्टर शैली चौधरी, इरशाद ,सभासद दानिश, मनमोहन सेन, सुनील गुप्ता, राजेंद्र सिंह ,उधम सिंह, राम रतन सिंह, राजीव शुक्ला, उपेंद्र शर्मा, आशीष शर्मा, विपिन सागर ,मंथन वर्मा, जयंत पंडित ,जावेद अली, विशाल शर्मा, अविनाश ,जयप्रकाश सैनी, मनोज चौहान ,त्रिलोक भढ़ाना एवं अनिल खारी सहित दर्जनों से अधिक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

स्वर्गीय कल्याण सिंह जी की पुण्यतिथि समाजसेवी पंकज लोधी के निवास कार्यालय पर मनाई गई

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- तहसील रोड पर प्रत्येक वर्ष की भांति समाजसेवी पंकज लोधी के निवास कार्यालय पर सर्व समाज ने मिलकर कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि मनाई। इस दौरान हिंदू हृदय सम्राट उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह को चौथी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सनातन धर्म परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्री रामदास महाराज जी रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉक्टर हर्षवर्धन शर्मा एवं संचालन सैनी सभा के वरिष्ठ पदाधिकारी मास्टर मदन लाल सैनी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्री रामदास महाराज ने स्वर्गीय कल्याण सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कल्याण सिंह के कार्यकाल में गुंडे बदमाश प्रदेश छोड़कर भाग गए थे। शासन प्रशासन से जनता में सुख शांति थी। ब्राह्मण महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ हर्षवर्धन शर्मा ने कहा कि बाबरी विध्वंस के उपरांत हिंदूवादी छवि के नेता कल्याण सिंह ने अपनी कुर्सी से इस्तीफा दे दिया था, जो कि शायद ही कोई नेता कर पाता। समाजसेवीका पिंकी त्यागी ने कहा की बाबू कल्याण सिंह जी के कार्यकाल में भू माफिया खनन माफिया जमीन कबजाने वाले समस्त प्रकार के गुंडे मवाली प्रदेश छोड़कर गायब हो गए थे। राष्ट्रीय लोधी महासभा के जिला अध्यक्ष उमेश लोधी ने बाबू कल्याण सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके कार्यकाल में शिक्षा का स्तर बहुत ऊंचा था। नकल माफिया प्रदेश से गायब हो गए थे। जाट महासभा के पदाधिकारी अशोक रेंजर ने बताया की बाबू जी कल्याण सिंह के कार्यकाल में बहन बेटियों की तरफ कोई गलत नजर से देखने वाला नहीं था। दीपेंद्र ने कहा कि बाबूजी के कार्यकाल में देश का विकास हुआ। इस अवसर पर राजेंद्र नगर, अशोक कुमार रेंजर पंडित वंश शर्मा, डॉक्टर जयवर्धन, रोहित मल्होत्रा, कांति चंद शर्मा, ब्रह्मानंद प्रजापति, रामचंद्र लोधी, पिंकी त्यागी,चंदन भारद्वाज, योगेंद्र लोधी, डॉ. गोपाल बबलू, सहगल भूषण पंडित रविंद्र प्रकाश जाटव संघ अर्जुन सिंह आकाश त्यागी, गौरव त्यागी, उमेश लोधी, ललित महेंद्र सिंह विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नगर संयोजक सनोज पवार जाट महासभा के अध्यक्ष तहसील योगेंद्र सिंह अहिरिया टीकाराम अहिरिया प्रियांशु अहिरिया मदनलाल सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

विकास खण्ड धनौरा में सीसीएल स्वीकृत एवं वितरण कैंप का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले के विकास खण्ड धनौरा सभागार में ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सीसीएल स्वीकृत एवं वितरण कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ओर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी ने माता सरस्वती की स्मृति पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हालांकि इस कैंप में खंड विकास अधिकारी नरेंद्र पाल सिंह सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक और एलडीएम, आरईएम ग्रामीण बैंक और साथ ही समूह की दीदियां, बैंक सखी, सीएलएफ के अधिकारी आदि मौजूद रहे। इस दौरान कैंप में 124 समूहों की सीसीएल स्वीकृत की गई। जिसमें 115 का वितरण भी किया गया। हालांकि मुख्य विकास अधिकारी ने मैनेजर्स को निर्देशित किया है कि जितने भी समूह अवशेष बाकी रह गए हैं। उनकी पत्रावली 30 तारीख तक स्वीकृत करा दे। सबसे अच्छा कार्य करने वाले शाखा प्रबंधक प्रथमा ग्रामीण बैंक को सम्मानित किया गया।

बाल श्रम में बच्चों को न लगाने के संबंध में किया गया जागरूक

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश के अनुक्रम एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा व क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक सिद्धू के निर्देश के क्रम में थाना ए0एच0टी0 की टीम द्वारा गुन्नौर थाना क्षेत्र में बाल श्रम के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया गया । अभियान में किसान कोल्ड स्टोरेज बंदायू रोड गुन्नौर व आर के कोल्ड स्टोरेज बंदायू रोड गुन्नौर तथा बांके बिहारी कोल्ड स्टोरेज बिजुआ नंगला गुन्नौर और गंगा डेयरी चिलिंग प्लांट थाना क्षेत्र बबराला को चेक किया। थाना एएचटी की टीम द्वारा प्रत्येक कोल्ड स्टोरेज पर जाकर स्टोरेज मालिक व डेयरी मालिक को बाल श्रम में बच्चों को न लगाने के संबंध में जागरूक किया गया एवं बताया गया कि किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को काम पर ना रखा जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 108, 112, 1076, 181 आदि के संबंध में जानकारी दी गई ' अभियान में प्रभारी निरीक्षक थाना AHT सत्य विजय सिंह, उ0नि0 दीपक कुमार, कांस्टेबल नवीन कुमार,चालक का0 मयंक व म0का0 श्वेता शर्मा मौजूद रहें ।

थाना धनारी पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त किया गिरफ्तार

धनारी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के कुशल निर्देश में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान में कार्यवाही की गयी। पुलिस के अनुसार 23 अप्रैल 2025 को थाना धनारी पर प्रेमसिंह पुत्र बालजीत निवासी ग्राम चन्दपुरा थाना धनारी जनपद सम्भल की तहरीरी सूचना कि अभियुक्तों द्वारा वादी के भाई नेमपाल उम्र 24 वर्ष को आये दिन मानसिक रुप से प्रताडित करना तथा जान से मारने की धमकी देना, जिससे परेशान होकर वादी के भाई द्वारा आत्महत्या कर लेने के सम्बन्ध में थाना धनारी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। जिसमें 22 अगस्त को मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त रमेश पुत्र हरीसिंह निवासी ग्राम चन्दपुरा मजरा धनारी पट्टी बालूशंकर थाना धनारी जनपद सम्भल को धनारी स्टेशन बाजार की मोड से गिरफ्तार किया है।

प्राथमिक विद्यालय लोहामई में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का किया गया आयोजन

ग्राम चौपाल में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए लगाया गया शिविर

बहजोई/संभल (सब का सपना):- विकासखंड गुन्नौर के ग्राम पंचायत लोहामई के प्राथमिक विद्यालय में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

समाज कल्याण विभाग व कृषि विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की भी दी गई जानकारी

समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया। उन्होंने पेंशन एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पहले लाभार्थी को 51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी जिसको बढाकर अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को एक लाख रुपये की धनराशि दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक द्वारा विभाग से संबंधित प्रमुख योजनाओं आयुष्मान गोल्डन कार्ड, टीकाकरण, एएनसी जांच आदि के विषय में ग्रामीणों को बताया। उप निदेशक कृषि अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में जानकारी दी तथा उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि सरसों के बीज की मिनी किट का किसानों को निशुल्क वितरण निकटतम बीज भण्डार पर किया जाएगा। उन्होंने श्रीअन्न के बीज की मिनी किट के विषय में भी बताया। उन्होंने श्री अन्न को अपनाने के लिए भी ग्रामीणों को जागरूक किया। कृषि यंत्रीकरण, सोलर पम्प, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, तथा एफपीओ के गठन तथा उसके लाभ के विषय में भी बताया।

गर्भवती माताओं पर दिया जाए विशेष ध्यान

ग्राम चौपाल के अन्तर्गत नीति आयोग के आकांक्षात्मक ब्लॉक से संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा की तथा आशा डायरी को चेक किया तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्भवती माताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। ग्रामीणों से अनुरोध किया कि गाँव में प्रसव न कराएं। डायबिटीज एवं हाइपरटेंशन की जांच के विषय में भी जानकारी प्राप्त की तथा सीएचओ को निर्देशित करते हुए कहा कि जांच शत प्रतिशत हो। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड शत प्रतिशत बने। आईसीडीएस के पुष्टाहार वितरण एवं सैम मैम बच्चों को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी। आंगनबाड़ी केन्द्र पर बाल मैत्रिक शौचालय को लेकर भी निर्देशित किया। प्राथमिक विद्यालय में पढाई तथा छतों के डैम प्रूफ बनवाने को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा ग्राम प्रधान को छतों को डैम प्रूफ कराने तथा विद्यालय में अन्य कार्य कराने के निर्देश दिए। विद्यालय में कार्य न कराने पर ग्राम विकास अधिकारी अशोक कुमार को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि देने के लिए निर्देशित किया। विद्यालय के निपुण होने तथा नामांकन की स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त की।

साफ सफाई में ग्रामीण भी करें सहयोगः- जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने साफ सफाई को लेकर कहा कि ग्राम की साफ सफाई में ग्रामीण भी सहयोग करें तथा अपने आस पास की सफाई रखें।हर घर के आगे सोख्ता बने। सड़क पर कोई भी घूरा न डाले यह भी सुनिश्चित किया जाए। प्राथमिक विद्यालयों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को अच्छा बनाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि माह के प्रथम एवं अंतिम दिन ग्राम कुल के सदस्य रैली निकालें। जिस ग्राम में ग्राम चौपाल लगे उस ग्राम में चौपाल से पहले फार्मर रजिस्ट्री शत प्रतिशत तथा फैमिली आईडी एवं गोल्डन कार्ड से संतृप्त हो जाए। जिलाधिकारी ने एबीपी कार्यक्रम अर्थात आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के विषय में भी ग्रामीणों को जागरूक किया।

प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों से भी की जिलाधिकारी ने वार्ता

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों से भी वार्ता की मेरी त्रुटि मेरी सीख कॉपी को चेक किया विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता खराब मिलने पर अध्यापकों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि न्याय पंचायत के विद्यालयों के समस्त शिक्षक एवं ग्राम सचिव एवं लेखपाल तथा एस एम सी के अध्यक्ष पीएम श्री विद्यालय इटायला माफी का भ्रमण करके आएं। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता प्रमाणपत्र आदि को लेकर एक विशेष शिविर लगाया गया। जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय से शिविर के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा दिव्यांगजनों के लिए प्रमुख योजनाओं से संबंधित फोल्डर भी वितरित किये।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया गया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भी निरीक्षण किया। ग्राम प्रधान को 7 फीट ऊंची चहारदीवारी तथा ग्रिल लगवाने तथा दो सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अंत्योदय राशनकार्ड के लाभार्थी के आवास को भी देखा एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक,परियोजना निदेशक डी आर डीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय,अपर जिला पंचायतीराज अधिकारी सीपी सिंह, खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमलकांत एवं ग्राम प्रधान एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गर्म चाय या कॉफी के शौकीन हैं संभल जाएं! एक आदत से 5 गुना तक बढ़ सकता है इस जानलेवा बीमारी का खतरा

नई दिल्ली। चाय और कॉफी झ्र ये सिर्फ पेय पदार्थ नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा हैं। सुबह की शुरूआत हो या दफ्तर की थकान, चाय और कॉफी दोनों ही ऊर्जा का संचार करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अत्यधिक गर्म चाय या कॉफी पीने की आदत आपकी सेहत के लिए जानलेवा साबित हो सकती है? हाल ही में आई एक चौंकाने वाली स्टडी में इसका खुलासा हुआ है। आइए जानते हैं कि रोजाना कितनी मात्रा में गर्म पेय पीना सुरक्षित है और कब यह खतरे की घंटी बन सकता है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की स्टडी में बड़ा खुलासा अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा कराई गई एक हालिया स्टडी के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति रोजाना बहुत गर्म चाय या कॉफी के 8 या उससे अधिक कप पीता है, तो उसमें एसोफैगस (गले की नली) के कैंसर का खतरा 5.6 गुना तक बढ़ जाता है। यह कैंसर के नाम से जाना जाता है, जो भोजन की नली की अंदरूनी परत को प्रभावित करता है। कितनी मात्रा से कितना खतरा? स्टडी में पाया गया कि गर्म पेय की मात्रा जैसे-जैसे बढ़ती है, कैंसर का खतरा भी उसी अनुपात में बढ़ता हैः डिस्क्लेमरः इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। पंजाब केसरी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

चलेंगी तेज हवाएं, गरज-चमक के साथ होगी बारिश, IMD ने इन राज्यों के लिए जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। मंगलवार को हुई हल्की फुहारें भी मौसम को ठंडा करने में नाकाम रहीं। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने चेतावनी दी है कि राजधानी और आसपास के इलाकों में अगले सात दिनों तक मौसम करवट ले सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 22 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ बारिश और गरज-चमक की संभावना है। 23 से 25 अगस्त तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है। वहीं, 26 और 27 अगस्त को तेज बारिश या बौछारें पड़ सकती हैं। उत्तर भारत में भी भारी बारिश की संभावना क्टऊके अनुसार, 22 से 26 अगस्त तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, पश्चिमी राजस्थान में भी 23 और 24 अगस्त को मूसलाधार बारिश का अनुमान है। पूर्वोत्तर भारत में भी बारिश का दौर तेज पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में भी भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। 22 से 24 अगस्त के बीच त्रिपुरा, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में अत्यधिक वर्षा की संभावना जताई गई है। वहीं, असम और मेघालय में 22 और 23 अगस्त को बहुत भारी बारिश का पूवार्नुमान है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रेल मंत्री से की भेंट, राजस्थान के लिए नई पर्यटक ट्रेन का आग्रह

नई दिल्ली - उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली से बीकानेर के बीच शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस और प्रदेश में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार का आभार प्रकट किया। मुलाकात के दौरान, दिया कुमारी ने रेल मंत्री से राजस्थान के गौरव 'पैलेस ऑन व्हील्स' ट्रेन के ठहराव को और अधिक शहरों तक बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे इसकी कनेक्टिविटी बेहतर होगी और अधिक पर्यटक राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ सकेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से एक नई पर्यटक ट्रेन को भी स्वीकृति देने का अनुरोध किया। यह नई ट्रेन 'महाराजा एक्सप्रेस' और 'पैलेस ऑन व्हील्स' की तर्ज पर चलाई जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि एक नई पर्यटक ट्रेन के माध्यम से राजस्थान के पर्यटन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। यह पहल न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगी बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी पैदा करेगी।

मुख्य बिकास अधिकारी की अध्यक्षता में आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक की गई आयोजित

हापुड़ (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एस०एम०ए०ई०) योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 की आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में समस्त सम्बन्धित विभागों को लक्ष्य आवंटन एवं अनुमोदन हेतु कृषि तकनीकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) गवर्निंग बोर्ड की बैठक के साथ-साथ उ०प्र० अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यकम, नेशनल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग (एन०एम० एन०एफ०) योजना, एन०एफ० एस०एन०एम० (दलहन घटक) योजना एवं नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल (ऑयलसीड्स) (एन०एम०ई०ओ० ओ०एस०) योजना की समीक्षा भी बैठक में की गयी, जिसमें कृषि सम्बन्धित क्षेत्रों (कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, गन्ना एवं अनुसन्धान) के अधिकारी, एफ०पी०ओ० प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील कृषको द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में योगेन्द्र कुमार, उप कृषि निदेशक हापुड़ द्वारा एजेण्डा अनुसार योजनाओं के बारे में जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्बन्धित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करना सुनिश्चित करे।

संसद भवन में दीवार फांदकर घुसने वाले संदिग्ध की हुई पहचान, सामने आया UP कनेक्शन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में संसद भवन की सुरक्षा में चूक होने का एक बड़ा मामला सामने आया है। आज (शुक्रवार) को एक संदिग्ध शख्स दीवार फांदकर घुस गया। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को गरुड़ द्वार के पास से दबोच लिया। उसकी पहचान उत्तर प्रदेश निवासी रामा (20 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं, सूत्रों के हवाले से खबर है कि एक व्यक्ति पेड़ के सहारे दीवार फांदकर सुबह लगभग 6:30 बजे संसद भवन में घुस गया। रेलभवन की तरफ से दीवार कूदकर नई संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुंच गया था। संसद भवन में मौजूद सिक्योरिटी ने आरोपी पकड़ लिया। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि पकड़े गए शख्स की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। बताया गया कि रेल भवन के पास हमेशा पीसीआर खड़ी रहती है। पीसीआर कर्मी ने देखा कि एक युवक दीवार फांद रहा है, दीवार की ऊंचाई वहां कम है। तब पीसीआर कर्मी उसे पकड़ने के लिए दौड़ा तो वह भागने लगा। शोर मचाने पर सीआईएसएफ ने उसे दबोच कर पुलिस को सौंप दिया। स्पेशल सेल, आईबी और अन्य एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। बताया कि उसी दौरान गेट के पास घूम रहे एक अन्य को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उससे भी पूछताछ की जा रही है।

हमले के बाद सीएम रेखा गुप्ता की इस पहल का किरण बेदी ने किया स्वागत, कहा- फैसले से आएगा क्रांतिकारी बदलाव

नई दिल्ली। पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने शुक्रवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के विकेंद्रीकरण के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अगर विधायकों, पार्षदों और वरिष्ठ नौकरशाहों द्वारा ऐसी पहल को अपनाया जाए तो इससे शासन में बदलाव आ सकता है। गुप्ता पर बुधवार को उनके कैंप कार्यालय में एक जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ। इसके जवाब में, मुख्यमंत्री ने गुरुवार को घोषणा की कि अब यह कार्यक्रम केवल उनके आवास पर नहीं, बल्कि हर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। बेदी ने पीटीआई से कहा, "यह सही तरीका है। यह दिल्ली की मुख्यमंत्री का सकारात्मक रुख है। ऐसी घटना पर यह एक अच्छी प्रतिक्रिया है और इस तरह के दृष्टिकोण का विकेंद्रीकरण क्यों नहीं किया जाता?" किरण बेदी 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार थीं। उन्होंने कहा कि नेताओं को निर्वाचित होने के बाद लोगों से सीधे जुड़ने से नहीं कतराना चाहिए। उन्होंने कहा, "जब चुनाव के दौरान प्रतिनिधि वोट मांगने जाते हैं, तो क्या उन्हें किसी बात का डर होता है? वे निडर होकर जोखिम उठाते हैं। तो फिर जनता द्वारा चुने जाने के बाद ऐसा क्यों नहीं? सभी विधायकों और यहां तक कि एमसीडी पार्षदों को एक निश्चित समय पर यह जन सुनवाई शुरू करनी चाहिए, यहां तक कि वरिष्ठ नौकरशाहों को भी ऐसी जन सुनवाई करनी चाहिए।" बेदी ने कहा कि कई वरिष्ठ अधिकारी पहले से ही नागरिकों के साथ बातचीत करते हैं, लेकिन कम से कम एक घंटे के लिए ऐसी प्रथाओं को संस्थागत बनाने से "शहर के शासन में क्रांति आ सकती है।" सुरक्षा चिंताओं पर उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को उन लोगों से डरना नहीं चाहिए जिन्होंने उन्हें सत्ता में लाया है। उन्होंने कहा, "जन सुनवाई का वादा करने के बाद आप सुनवाई बंद नहीं कर सकते। हमारे पास व्यवस्थाएं मौजूद हैं और आज हमारे पास बहुत सारे कैमरे हैं। अगर कुछ होता भी है, तो हम उससे निपट लेते हैं।" इस घटना के बाद गुप्ता ने कहा था कि वह दिल्ली को कभी नहीं छोड़ेंगी और अपने जीवन का हर पल शहर के लोगों को समर्पित करेंगी। उन्होंने कहा, "अब जनसुनवाई सिर्फ मेरे घर पर ही नहीं, बल्कि दिल्ली की हर विधानसभा में होगी। आपका मुख्यमंत्री आपके दरवाजे पर होगा।"

दिल्ली को मिली बड़ी सफलता, घरों में घुसकर सेंधमारी करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। थाना आनंद पर्वत पुलिस टीम ने एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जो चुपके से घरों में घुसता था और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाता था। उसके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन और नकदी बरामद हुई है। आरोपित की पहचान आनंद पर्वत के सूरज के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी से चोरी के छह मामले सुलझाने का दावा किया है। उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, 18 अगस्त को आनंद पर्वत थाना क्षेत्र में एक घर से मोबाइल फोन की चोरी की शिकायत दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुसा और मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपित का पता लगाकर उसे 20 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया चोरी किया गया मोबाइल फोन और 14,500 नकद बरामद किए गए।

जेएनयू की लाइब्रेरी में फेशियल रिकग्निशन गेट लगाए जाने पर बवाल, छात्रसंघ अध्यक्ष घायल

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में बीआर अंबेडकर केंद्रीय पुस्तकालय के प्रवेश पर चेहरे की पहचान वाले गेट लगाए जाने को लेकर विवाद तेज हो गया है। दो दिन से विरोध कर रहे छात्रों की मांगों को दरकिनार करते हुए कार्यवाहक पुस्तकालयाध्यक्ष मनोरमा त्रिपाठी ने ठेकेदारों को काम जारी रखने की अनुमति दे दी। इस दौरान छात्रों को पुस्तकालय में प्रवेश तक नहीं दिया गया और अंदर-बाहर के दोनों गेट सील कर दिए गए। स्थिति बिगड़ने पर जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष नितीश और मणिकांत ने जबरन प्रवेश कर कार्य रुकवाने की कोशिश की, इसी दौरान कांच के टुकड़ों से उनके पैरों में चोटें आईं। आरोप है कि पुस्तकालय प्रशासन ने दिल्ली पुलिस को बुलाकर आंदोलनरत छात्रों को डराने का प्रयास किया। छात्रसंघ ने इसे छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला करार देते हुए बीआर अंबेडकर पुस्तकालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। जेएनयूएसयू ने स्पष्ट मांग रखी है कि छात्रों की मूल आवश्यकताएं पूरी की जाएं। पुस्तकालय में पर्याप्त बैठने की जगह उपलब्ध कराई जाए और शैक्षणिक जरूरतों के लिए निधि आवंटित हो, न कि निगरानी तंत्र पर खर्च किया जाए। जेएनयू की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नीतीश कटारा हत्याकांडः पांच सितंबर को है दोषी विकास यादव की शादी, अंतरिम जमानत पर हाई कोर्ट ने उठाया सवाल

नई दिल्ली। शादी के लिए रिहाई की मांग को लेकर वर्ष 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड में दोषी विकास यादव की ओर से दायर अंतरिम जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सवाल उठाया है। न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा की पीठ ने विकास यादव के वकील पूछा कि क्या हाई कोर्ट के पास दोषसिद्धि के बाद और पुनर्विचार याचिका खारिज होने के बाद अंतरिम जमानत देने का अधिकार है? आप इस पर विचार कर सकते हैं। अदालत ने नोट किया कि याचिकाकर्ता एक दोषी है, जो सजा काट रहा है और उसकी अपील को सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया। अदालत ने उक्त टिप्पणी तब की कि जब नीतीश कटारा की मां नीलम कटारा के वकील ने याचिका विरोध करते हुए तर्क दिया कि दोषी के लिए अंतरिम जमानत का कोई प्रविधान नहीं है। यह भी तर्क दिया गया कि एक दोषी या तो पैरोल या फर्लो का हकदार होता है। हालांकि, पीठ ने याचिका पर गृह मंत्रालय, कानून एवं न्याय मंत्रालय, दिल्ली सरकार और नीतीश कटारा की मां नीलम कटारा को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई दो सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। 23 साल से अधिक समय से जेल में बंद विकास यादव ने अंतरिम जमानत की मांग करते हुए तर्क दिया कि उसकी शादी पांच सितंबर को तय है और उसे सजा सुनाए जाने के समय उस पर लगाए गए 54 लाख रुपये के जुमार्नें का इंतजाम करना है। सुनवाई के दौरान विकास यादव की तरफ से पेश हुए वकील ने मामले में जल्द सुनवाई की मांग की। विकास यादव ने जेल से रिहाई और संबंधित अधिकारियों से छूट के लिए आवेदन करने की अनुमति मांगी। विकास यादव ने याचिका में 6 फरवरी 2015 को 25 वर्ष की निश्चित अवधि की सजा सुनाते हुए भारतीय दंड संहिता प्रक्रिया (सीआरपीसी) के प्रविधानों के तहत वैधानिक छूट का लाभ देने से इनकार करने का मुद्दा उठाया गया है। यह भी कहा गया कि वह 25 साल की निश्चित अवधि की सजा में से 23 साल से अधिक की सजा काट चुका है और किसी दोषी को वैधानिक छूट का लाभ देना अदालत के दंड देने के अधिकार के अंतर्गत नहीं आता। याचिका में कहा गया कि निश्चित अवधि की सजा के दौरान छूट से इनकार करना याचिकाकर्ता के संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने विकास यादव को पहले इस मामले में छूट के लिए हाई कोर्ट जाने की अनुमति दी थी। साथ ही बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 26 अगस्त तक के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने उसकी वर्तमान अंतरिम जमानत याचिका और शीर्ष अदालत द्वारा दी गई जमानत याचिका के बीच कोई संबंध न होने का हवाला देते हुए उसे 26 अगस्त को आत्मसमर्पण करने को कहा। इसके अलावा, विकास यादव ने हाई कोर्ट से अपनी शादी के लिए और जुमार्नें की राशि का भुगतान करने के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए दो महीने की अंतरिम जमानत देने की मांग की है, अन्यथा उसे तीन साल और जेल में बिताने होंगे। विकास यादव को बिजनेस एक्जीक्यूटिव नीतीश कटारा के अपहरण और हत्या के लिए दोषी करार देते हुए 25 साल की सजा सुनाई गई थी। विकास यादव अलग-अलग जातियों के होने के कारण बहन भारती यादव के साथ नीतीश कटारा के संबंध के खिलाफ था। एक अन्य सह-दोषी सुखदेव पहलवान को बिना किसी छूट के 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई। 29 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहते हुए उसे जेल से रिहा करने का आदेश दिया कि उसने मार्च 2025 में अपनी 20 साल की सजा पूरी कर ली है।

भय के साय में गुरुजी! अब भिवानी में छात्र ने अध्यापक पर किया हमला, स्कूल बैग में लेकर आया था नुकीला हथियार

भिवानी : भिवानी जिले के गांव ढाणा लाडनपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 12वीं कक्षा के छात्र ने टीचर पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया। इस हमले से शिक्षक के सिर में गंभीर चोटें आई। जिसे इलाज के लिए जिला नागरिक अस्पताल लाया गया। वहीं पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है। गुस्से में आकर टीचर के सिर पर किया वार

नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन शिवकुमार ने बताया कि वह गांव ढाणा लाडनपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बतौर अध्यापक बच्चों को पढ़ा रहा था। तभी 12वीं कक्षा में छात्र नीतिन ने पास में बैठे दूसरे छात्र को उठाकर अपना बैग मार दिया। इस पर उसने छात्र को ऐसा करने पर टोका तो छात्र बोला कि इंज्वाय कर रहे हैं। इसके बाद छात्र को टीचर पकड़कर प्राचार्य कक्ष में ले गया। जहां प्राचार्य ने बच्चे से कहा कि अगर पढ़ाई नहीं करनी है। तो एसएलसी लेकर चले जाओ। इसके बाद तैश में आकर छात्र ने एसएलसी के लिए आवेदन लिखा और फिर अपने बैग में नुकीला हथियार लेकर आया। अचानक ही शिक्षक शिवकुमार के सिर पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया। जिससे शिक्षक के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। शिवकुमार ने कहा कि हमारी मांग है कि सरकारी स्कूलों में सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जाए ताकि शिक्षक बच्चों को पढ़ा सके और शैक्षिक माहौल बनाया जा सके। वहीं डॉक्टर डीके आहूजा ने बताया कि ढाणा लाड़नपुर के टीचर को सिर में चोटें मारने का मामला सामने आया है । टीचर को सिर में दो जगह इंजरी हुई है। हमने आते ही उसका इलाज कर दिया। उनको वार्ड में शिफ्ट कर दिया है।

सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए चौथी बार स्थगित, कांग्रेस विधायकों का हंगामा लगातार जारी

हरियाणा : हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र की कार्यवाही आधे घंटे के लिए चौथी बार स्थगित हो गई है। सत्र का पहले दिन कांग्रेस विधायक जमकर हंगामा कर रहे हैं और नारेबाजी की। विधानसभा की कार्यवाही के दौरान इंजुराज नरवाल ने बेटी बचाओ क्या हुआ-क्या हुआ का पोस्टर दिखाया। बता दें विपक्ष प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर, मनीषा मौत केस, फिरौती, हत्या और नेताओं को धमकी जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। कांग्रेस की ओर से विधानसभा सचिवालय में काम रोको प्रस्ताव तक दिया गया है।वहीं प्रश्नकाल में पूछे जाने वाले विपक्षी दल के विधायकों के सवालों को लेकर सीएम नायब सैनी पहले ही चर्चा कर प्लानिंग बना चुके हैं।हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र की कार्यवाही आधे घंटे के लिए चौथी बार स्थगित हो गई है। हरियाणा विधान सभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल सिंह ढांडा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल, इनेलो विधायक अर्जुन सिंह चौटाला, निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल मौजूद हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक शुरू हो गई है। बैठक में स्पीकर हरविंद्र कल्याण, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल सिंह ढांडा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल, इनेलो विधायक अर्जुन सिंह चौटाला और निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल मौजूद हैं। सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए तीसरी बार स्थगित

इस पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आपने मेरा नाम लिया है, इसलिए मैं खड़ा हुआ हूं। नहीं तो मैं नहीं खड़ा होता। स्पीकर ने कहा कि आप विपक्ष के नेता नहीं हैं, लेकिन सदन आपको विपक्ष का नेता होने का सम्मान देता है। इस पर हुड्डा ने कहा कि मेरे लिए विपक्ष का नेता होना या न होना मेरे लिए कोई मायने नहीं है। मैं ये कहना चाहता हूं कि काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा क्यों नहीं हो रही है। स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि सदन में आज जो भी हुआ है, वह होना नहीं चाहिए। इस पर फिर से कांग्रेस के विधायकों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर ने कहा कि ये आपको किसने अधिकार दिया है? क्या आप सदन में अध्यक्ष को बोलने नहीं देंगे? आप लोगों ने प्रश्नकाल तक नहीं चलने दिया, ये आप सही नहीं कर रहे हैं। इस सदन में जो भी विषय रखा जाएगा नियम और प्रक्रिया के तहत की रखा जाएगा। ऐसा नहीं होगा कि कोई नई परंपरा इस सदन में शुरू की जाए। मानसून सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही तीसरी बार फिर शुरू हो गई है। सदन के बाहर कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) एक गंभीर और अहम मुद्दा है। इसी को लेकर हमने 'काम रोको प्रस्ताव' की मांग की है, जो पूरी तरह से जायज है। उन्होंने कहा कि स्पीकर को नियमों के तहत सदन की कार्यवाही रोककर इस प्रस्ताव पर चर्चा करानी चाहिए। जब तक हमारी मांग को सदन में स्वीकार नहीं किया जाता, कांग्रेस सदन की कार्यवाही नहीं चलने देगी। काम रोको प्रस्ताव, जिसे स्थगन प्रस्ताव भी कहते हैं, सदन में जनहित के किसी विशेष मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सदन की सामान्य कार्यवाही को स्थगित करने का एक प्रस्ताव है। यह सदन अध्यक्ष की अनुमति से पेश किया जाता है और इसके लिए कम से कम 50 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है। यदि यह स्वीकार हो जाता है, तो सदन का सामान्य कार्य रुक जाता है ताकि उस जरूरी मुद्दे पर तत्काल ध्यान दिया जा सके। कांग्रेस के हंगामे पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा- ये क्यों हंगामा कर रहे हैं? इनके पास तो नेता ही नहीं है। ये निर्णय नहीं ले सकते। सदन की कार्यवाही स्थगित होने से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कानून व्यवस्था का जो मुद्दा उठाया है, उस पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं। पुलिस ने भिवानी की बेटी के मामले में कार्रवाई की है। कानून व्यवस्था की स्थिति इनके समय में कैसी थी? एफआईआर तक दर्ज नहीं होती थी। विपक्ष इस मामले में राजनीति न करे। इस पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि CM की बात पर एतराज है। हमारे समय में ही हर मामले की FIR की कार्रवाई शुरू की थी।

सदन में भिवानी की मनीषा की मौत के मामले को लेकर और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर काम रोको प्रस्ताव पर कांग्रेस चर्चा की मांग कर रही है।

पलवल में झाड़ियों में मिला महिला का शव, इलाके में सनसनी, पड़ोसियों पर हत्या का आरोप

पलवल : पलवल जिले के मुंडकटी थाना क्षेत्र के गांव सौंध में बुधवार की दोपहर घर से लापता हुई 62 वर्षीय महिला का शव घर के पीछे झाड़ियों में पड़ा मिला। सूचना पर डीएसपी विवेक चौधरी सहित थाना प्रभारी तेजपाल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला भी घटना स्थल पर पहुंचे, जंहा उन्होंने पीड़ित परिजनों को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया।

जांच अधिकारी सुरेश कुमार ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि गांव निवासी अधिवक्ता देवी सिंह ने थाना मुंडकटी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 62 वर्षीय मां गीता देवी दोपहर के समय अपने घर से पीछे किसी काम से गई और वहां से लापता हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर महिला के लापता होने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बेटे ने पड़ोसियों पर लगाया हत्या का आरोप

मृतक महिला के बेटे देवीसिंह ने शक जाहिर करते हुए बताया कि उसकी मां गीता की पड़ोसियों ने रंजिश के चलते हत्या कर शव को खुर्द-बुर्द करने की कोशिश की है। उन्होंने पुलिस से इस मामले के दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की। इस मामले में जिला बार एसोसिएशन ने आज एक दिवसीय हड़ताल कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी- जांच अधिकारी

जांच अधिकारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूट्यूबर करमू गिरफ्तार, मनीषा केस में सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने का आरोप

जींद : भिवानी जिले की मनीषा की मौत के मामले में सोशल मीडिया पर भड़काऊ और भ्रामक सामग्री प्रसारित करने पर भिवानी पुलिस ने यूट्यूबर कर्मबीर उर्फ करमू को हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने स्पष्ट किया कि बिना प्रमाणित जानकारी साझा करने और समाज में तनाव फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी के तहत फेसबुक के संसार क्रांति पेज पर बिना किसी आधिकारिक सत्यापन के भड़काऊ पोस्ट व भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने के मामले में आरोपी कर्मबीर उर्फ करमू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी अपुष्ट या भड़काऊ सामग्री को प्रसारित न करें और जिम्मेदारी के साथ उसका इस्तेमाल करें। यूट्यूबर कर्मबीर देसी पत्रकार के नाम से हरियाणा में मशहूर है। वह सोशल मीडिया पर संसार क्रांति के नाम से यूट्यूब चलाते हैं और इस पर देसी अंदाज में न्यूज कवर करते हैं। देसी अंदाज में खबरें देने के कारण हरियाणा के लोग उन्हें पसंद करते हैं। यूट्यूब पर उनके मिलियन्स में सब्सक्राइबर्स हैं।

युवक पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला, दोस्त का इलाज कराने का विरोध...सैलून पर बाल कटवाने गया था

फरीदाबाद : फरीदाबाद के थाना डबुआ क्षेत्र में एक युवक को अपने दोस्त का साथ देना महंगा पड़ गया। 17 अगस्त को पुरानी पुलिस चौकी रोड स्थित एक सैलून पर पहले लक्की नामक युवक के साथ मारपीट हुई और उसी रात उसके दोस्त विनय पाण्डेय पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। इस वारदात में विनय गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट और शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता उमेश पाण्डेय ने बताया कि उनका बेटा विनय पाण्डेय का दोस्त लक्की 17 अगस्त को सैलून

पर बाल कटवाने गया था। उसी दौरान दीपक उर्फ खालसन, तुषार, योगराज और उनके अन्य साथी वहाँ पहुंचे और पुरानी रंजिश के चलते लक्की के साथ मारपीट कर दी। जाते-जाते उन्होंने लक्की को जान से मारने की धमकी भी दी। लक्की को उपचार के लिए विनय पाण्डेय बीके अस्पताल लेकर गया। इसी बात से नाराज होकर उसी रात करीब 10:15 बजे दीपक खालसन, तुषार, बौचा और अन्य आरोपी हथियारों (लाठी-डंडों) के साथ विनय पाण्डेय के पास पहुँचे और उससे पूछने लगे कि वह लक्की को इलाज के लिए क्यों लेकर गया था। विनय ने जवाब दिया कि लक्की उसका दोस्त है और उसने केवल मदद की है। इस पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और तभी लक्की भी वहाँ आ गया। इसके बाद आरोपियों ने विनय और लक्की दोनों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पूरी वारदात नजदीकी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।हमले में विनय पाण्डेय बुरी तरह घायल हो गया। बीके अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। बाद में विनय को संतोष अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पलवल में जीजा ने की साले की हत्या, आरोपी की 9 महीने पहले हुई थी मृतक की चचेरी बहन से शादी

पलवल : पलवल जिले के इस्लामाबाद इलाके में एक जीजा ने अपने साले की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान देवेंद्र के रूप में हुई है। आरोपी टेकचंद ने देवेंद्र को उसके चाचा के घर बुलाया और सीने में गोली मार दी। परिजन घायल देवेंद्र को तुरंत जिला नागरिक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कैंप थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल के मुताबिक करीब 8-9 महीने पहले ही आरोपी टेकचंद की शादी मृतक की चचेरी बहन अंजली से हुई थी। टेकचंद लालवा गांव का रहने वाला है। मृतक के भाई की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। मृतक के भाई जयवीर ने बताया कि वह गुरुवार को स्कूल से लौटा तो उसके चाचा के घर के पास भीड़ देखी। पड़ोसियों ने उसे बताया कि उसके भाई देवेंद्र को उसकी चचेरी बहन जयंती के पति टेकचंद ने गोली मार दी है। कैंप थाना प्रभारी का कहना है कि मृतक के छोटे भाई की शिकायत पर आरोपी लालवा गांव निवासी टेकचंद के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि हत्या क्यों की गई इसका अभी खुलासा नहीं हो सका है, आरोपी की गिरफ्तारी होने के बाद ही पता चल पाएगा, क्योंकि परिजनों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि गोली क्यों मारी।

फरीदाबाद में बेटे की क्रूरता, पिता को इतना पीटा की चली गई जान

फरीदाबाद : थाना बीपीटीपी क्षेत्र में एक चौंकाने वाली वारदात सामने आई है, जहां बेटे ने अपने ही पिता की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी और मां-बेटे ने मिलकर शव को ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है, जहां से उन्हें 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जानकारी के अनुसार अजरौंदा निवासी कुलबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई हरबीर अपनी पत्नी, बेटे और साली के साथ टेरा लवीनियम सोसाइटी सेक्टर-75 फरीदाबाद में रहता था। परिवार के लोग अक्सर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करते थे, जिससे तंग आकर वह सेक्टर-7 में अलग रहने लगा था। 11 जुलाई से हरबीर का फोन बंद आ रहा था। 14 जुलाई को उसकी पत्नी और बेटा गांव अजरौंदा पहुंचे और परिजनों को बताया कि हरबीर विदेश घूमने गया है। 27 जुलाई को जब वे दोबारा गांव आए और उनसे फिर हरबीर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने टाल-मटोल किया और फोन बंद कर लिया। इस पर कुलबीर ने थाना बीपीटीपी में शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी संगीता और बेटे साहिल को गिरफ्तार किया। साथ ही थाना सूरजकुंड क्षेत्र से हरबीर का शव बरामद किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि 11 जुलाई की रात जब साहिल घर लौटा तो उसके पिता हरबीर ने दरवाजा नहीं खोला। इस पर साहिल साइड वाले मकान से घर में घुसा और पिता के साथ मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई। जब पत्नी संगीता घर पहुंची तो उसने पति को मृत अवस्था में देखा। इसके बाद दोनों ने शव को उठाकर सूरजकुंड रोड स्थित सिद्धार्थ आश्रम से आगे पुलिया के नीचे फेंक दिया। दोनों आरोपियों को 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लियाः पुलिस इस मामले को लेकर पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने कहा कि पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच जारी है।

यमुनानगर में महिला डॉक्टर से अभद्रता, OPD सेवाएं पूरी तरह बंद, काली पट्टी बांधकर डॉक्टरों ने जताया विरोध

बुधवार को यमुनानगर में स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी के दौरान एक महिला डॉक्टर और मरीजों के साथ अभद्रता का मामला गरमा गया है। इसके विरोध में वीरवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के आह्वान पर यमुनानगर के सभी निजी अस्पतालों में हड़ताल रही। OPD सेवाएं पूरी तरह बंद रहीं, और मरीजों को बिना इलाज के लौटना पड़ा। सभी डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और पहले एसपी कमलदीप गोयल से मुलाकात की, फिर डीसी पार्थ गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने छापेमारी के दौरान अभद्रता करने वाली टीम के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस बीच अंबाला के बवेजा अस्पताल में भी बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लगभग आठ घंटे तक जांच की। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वहां क्या खामियां पाई गईं या सब कुछ सही मिला। इसी तरह, कैथल में भी आयुष्मान भारत योजना से जुड़े निजी अस्पतालों की हड़ताल का असर देखा गया। हड़ताल के चलते सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। जिले में योजना से जुड़े 11 निजी अस्पताल हैं और सरकार की तरफ से करीब 15 करोड़ रुपये की राशि बकाया है।

सोशल इंफलुवेंसर व यू-ट्यूबर को लेकर हरियाणा सरकार सख्त, कहीं ये गलती न पड़ जाए भारी

भिवानी : सुर्खियां बंटोरने व अपने आपको पॉपुलर करने के उद्देश्य से बगैर तथ्यों के कंटेट को विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों पर चलाकर भ्रामक सूचनाएं पहुंचाने वाले सोशल इंफलुवेंसर व यू-ट्यूबर को लेकर हरियाणा पुलिस आने वाले दिनों में इनका डाटा बेस तैयार कर इन पर कार्रवाई करने जा रही है। यह बात हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने भिवानी में बीते कल पत्रकार वार्ता के दौरान विभिन्न घटनात्मक व अन्य मुद्दों पर बातचीत करते हुए कही।

हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि कुछ सोशल इंफलुवेंसर अपने आप को पॉपुलराईज करने के उद्देश्य से शरारती तत्वों की तर्ज पर भ्रामक संदेश समाज में फैलाते है तथा

प्रशासनिक व्यवस्था पर बगैर तथ्यों के प्रश्न चिह्न लगाने का कार्य करते है। ऐसा करते समय उनका उद्देश्य पब्लिसिटी बटोरना होता है। उनकी इस सारी प्रक्रिया में वे लोकतंत्र पर प्रश्न चिह्न लगाने का कार्य करते है। ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए है तथा आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। ऐसे सोशल इंफलुवेंसर का डाटा बेस भी हरियाणा पुलिस तैयार कर रही है।

पुलिस अधिकारियों को दिए गए ये निर्देश

पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि भ्रामक तरीके से जानकारी देने वाले व सुर्खियां बटोरने वाले ऐसे सोशल इंफलुवेंसर को चिह्नित कर पुलिस कार्रवाई करे। गौरतलब है कि भिवानी पुलिस ने फेसबुक, इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया पर ऐसे भ्रामक प्रचार करने वाले यू-ट्यूबर्स पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज किए है तथा उन पर पुलिसिया कार्रवाई शुरू कर दी है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में खबरों के रूप में भ्रामक प्रचार पर लगाम लगेगी तथा जनता के सामने सोशल मीडिया के माध्यम से वास्तविक व एडिटिड जानकारी आ सकेगी।

चढूनी ग्रुप को लगा बड़ा झटका, इस किसान नेता ने छोड़ा साथ, बोले- भीड़ हो बस वहीं जाते हैं चढूनी

सोनीपत : किसान आंदोलन के दौरान किसानों की लंबित मांगों को लेकर सरकार और किसान संगठनों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। इसी कड़ी में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) ने 25 अगस्त को दिल्ली में एक महापंचायत बुलाने का ऐलान किया है। इस महापंचायत का स्थान अभी तय नहीं हुआ है, क्योंकि जंतर मंतर और रामलीला मैदान को लेकर किसान संगठनों और दिल्ली पुलिस के बीच बातचीत जारी है।

महापंचायत में देशभर के किसान शामिल होकर एमएसपी की गारंटी कानून बनाने, कृषि क्षेत्र में हुए अंतरराष्ट्रीय समझौतों की समीक्षा और आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों को वापिस लेने की मांग करेंगे। किसानों का कहना है कि यह महापंचायत पूरी तरह गैर राजनीतिक होगी और केवल किसानों के मुद्दों पर केंद्रित रहेगी।महापंचायत की तैयारी को लेकर शुक्रवार को सोनीपत अनाज मंडी के किसान भवन में भारतीय किसान यूनियन (एकता सिद्धूपुर) की बैठक हुई। इसमें कई किसान नेताओं ने भाग लिया। इस दौरान बड़ा घटनाक्रम तब हुआ जब भारतीय किसान यूनियन चढूनी ग्रुप के जिला युवा अध्यक्ष वीरेंद्र पहल ने संगठन से इस्तीफा देकर सिद्धूपुर ग्रुप का दामन थाम लिया। उन्हें किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ के नेतृत्व में प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। पहल ने चढूनी पर साधा निशाना वीरेंद्र पहल ने आरोप लगाया कि गुरनाम सिंह चढूनी अब किसानों के मुद्दों की बजाय अपने राजनीतिक भविष्य पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चढूनी केवल वहां जाते हैं जहां पहले से भीड़ जुटी हो, जबकि किसानों को जमीनी स्तर पर मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी महापंचायत को सफल बनाने के लिए हर गांव तक संदेश पहुंचाया जाएगा और किसानों को बड़े पैमाने पर दिल्ली पहुंचने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

हरियाणा सरकार के इस कदम से बढ़ेगी किसानों की कमाई

हरियाणाः हरियाणा के किसानों के लिए अच्छी खबर है. हरियाणा सरकार ने प्रदेश में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में 'राज्य तिलहन मिशन' (स्टेट ऑयलसीड्स मिशन) का गठन किया है।मिशन का उद्देश्य तिलहन उत्पादकता बढ़ाने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर लागू करना है। इसके लिए राज्य स्तरीय एजेंसियों, जिला स्तर की संस्थाओं और केंद्र सरकार के साथ समन्वय बनाया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इस मिशन के सदस्य सचिव होंगे. अन्य सदस्यों में सहकारिता, उद्योग, ग्रामीण विकास, वित्त और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभागों के प्रशासनिक सचिव, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक, हरियाणा स्थित आईसीएआर संस्थानों के निदेशक, नाबार्ड के राज्य प्रभारी और राज्य स्तरीय बैंकर समिति के नोडल अधिकारी शामिल होंगे।इसके अतिरिक्त तिलहन उत्पादक किसान संगठन, सहकारी समितियों के प्रतिनिधि, तिलहन, वनस्पति तेल और बीज उत्पादन से जुड़े उद्योग प्रतिनिधि और केंद्र सरकार के कृषि और किसान कल्याण विभाग के प्रतिनिधि भी इस मिशन का हिस्सा होंगे। राज्य तिलहन मिशन की प्रमुख जिम्मेदारियों में राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप राज्य तिलहन कार्ययोजना को अंतिम रूप देना, प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों जैसे कि फसलवार क्षेत्र, उत्पादन, औसत उपज और तेल उत्पादन की निगरानी करना, अवसंरचना और प्रसंस्करण सुविधाओं के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रभावी आवंटन सुनिश्चित करना, जिला स्तरीय मिशनों और वैल्यू चेन भागीदारों के कार्यों की देखरेख करना और अन्य केंद्र एवं राज्य योजनाओं के साथ तालमेल स्थापित करना शामिल है। राज्य तिलहन मिशन साल में कम से कम दो बार बैठक करेगा, जिसमें प्रगति की समीक्षा कर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रणनीतियां बनाई जाएंगी. जरूरत पड़ने पर मिशन की कार्यवाही में विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जा सकेगा।

सैनी सरकार का बड़ा फैसला! हरियाणा होगा महिला स्टार्टअप्स का हब, लक्ष्य 60 प्रतिशत भागीदारी

हरियाणा : हरियाणा अब महिलाओं को स्टार्टअप इकोनॉमी की नई ताकत बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं की भागीदारी को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए न केवल हर जिले में उद्यमिता विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे, बल्कि नए इनक्यूबेशन सेंटर्स में भी महिला उद्यमियों को प्राथमिकता दी जाएगी। चंडीगढ़ में स्टार्टअप पॉलिसी को लेकर आयोजित बैठक में सीएम ने कहा कि हरियाणा का भविष्य तभी मजबूत होगा जब हमारी बेटियां और बहनें आर्थिक रूप से सशक्त होंगी। स्टार्टअप पॉलिसी में महिलाओं की भागीदारी को नई ऊंचाई पर ले जाना इसी दिशा में एक ठोस कदम है। वर्तमान में हरियाणा के लगभग 50 प्रतिशत स्टार्टअप्स महिलाएं चला रही हैं, जो देशभर में

एक रिकॉर्ड है। अब लक्ष्य इसे बढ़ाकर 60 प्रतिशत करना है, ताकि हरियाणा महिला स्टार्टअप्स की राजधानी के रूप में उभरे। बैठक में बताया गया कि नए इनक्यूबेशन सेंटर्स में महिलाओं को मेंटॉरशिप, टेक्नोलॉजी सपोर्ट, फंडिंग और नेटवर्किंग की विशेष सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही, बूटकैंप्स और पिचिंग सत्रों में महिला उद्यमियों को प्राथमिकता मिलेगी। हरियाणा में पहले से ही 9,100 से अधिक स्टार्टअप्स कार्यरत हैं। इनमें से कई का संचालन महिलाएं कर रही हैं।

देश के 117 यूनिकॉर्न में से 19 हरियाणा से हैं और इनमें महिला उद्यमियों की भी उल्लेखनीय हिस्सेदारी है। सरकार का दावा है कि आने वाले समय में हरियाणा की महिला नेतृत्व वाली स्टार्टअप्स देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाएंगी। कृषि-टेक, आईटी, ई-कॉमर्स और हेल्थकेयर सेक्टर में महिला स्टार्टअप्स ने राज्य की रोजगार व नवाचार शक्ति को नई दिशा दी है।

भारतीय क्रिकेट टीम बिना स्पॉन्सर के खेलेगी एशिया कप 2025?, बीसीसीआई सचिव की प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी पुरुष एशिया कप में टीम इंडिया पर बिना लोगो वाली जर्सी पहनने का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति 'ऑनलाइन गेमिंग के प्रचार और विनियमन विधेयक' के पारित होने के बाद उत्पन्न हुई है। हाल ही में पारित इस विधेयक में ड्रीम11 जैसे सभी प्रकार के ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स और जुआ प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एशिया कप 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू हो रहा है।

ड्रीम11 जुलाई 2023 से भारत का प्रमुख प्रायोजक है। शुरुआती अनुबंध के तहत इस ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म के पास तीन साल के लिए प्रायोजन अधिकार थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अभी तक ड्रीम11 के साथ अपने भविष्य के जुड़ाव के बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'अगर यह जायज नहीं है, तो हम कुछ नहीं करेंगे। बीसीसीआई केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई देश की हर नीति का पालन करेगा।'

शुक्रवार को ड्रीम 11 ने भी एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि भारतीय संसद में विधेयक पारित होने के बाद 'नकद खेल और प्रतियोगिताएं बंद कर दी गई हैं।' गौर हो कि ऑनलाइन पैसे वाले खेलों और सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक ने अब ऐसे खेलों के प्रचार और वित्तपोषण को अपराध घोषित कर दिया है, जिसके तहत अपराधियों को 5 साल तक की जेल हो सकती है। स्पोर्टस्टार के अनुसार सरकारी आंकड़े बताते हैं कि फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ने 45 करोड़ लोगों से सालाना 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर की ठगी की है।

फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए करुण नायर, बड़े टूर्नामेंट से हो सकते हैं बाहर

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज करुण नायर को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए इंतजार करना होगा क्योंकि बीसीसीआई ने उन्हें केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी में भाग लेने से रोक दिया है। 34 वर्षीय इस खिलाड़ी को सीओई से फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिला है इसलिए उन्हें अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया जारी रखनी होगी।

नायर केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी के आगामी सीजन में मैसूर वॉरियर्स के लिए खेलने वाले थे और टीम के साथ मैसूर भी गए थे। लेकिन अब वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में वापस लौटेंगे और बीसीसीआई से फिटनेस क्लियरेंस मिलने तक रिहैबिलिटेशन करेंगे।

नायर को इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने की शुरुआत में समाप्त हुए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवे और अंतिम टेस्ट के दौरान उंगली में गहरी चोट लगी थी। इस बल्लेबाज की उंगली में फ्रैक्चर हो गया था और अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है।

गौर है कि मैसूर वॉरियर्स के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नही होगा क्योंकि नायर यकीनन उनके सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे। नायर ने पिछले सीजन में टीम को ट्रॉफी दिलाई थी और 560 रन भी बनाए थे। उन्होंने 2023 सीजन में भी बल्ले से शानदार योगदान दिया था और उस सीजन का अंत 532 रनो के साथ किया था।

इसी बीच दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए भी यह एक बड़ा झटका होगा क्योंकि नायर से टीम के मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने की उम्मीद थी। इस बल्लेबाज ने पिछले साल घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। यही एक मुख्य कारण था कि उन्हें लगभग 8 साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया था। हालांकि अब वह न केवल एक टी20 टूर्नामेंट बल्कि घरेलू क्रिकेट के एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से भी चूकने वाले है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत, भारत के पूर्व ओपनर बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के निर्भिक नेतृत्व में मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम आगामी एशिया कप जीत सकती है। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। टी20 प्रारूप के इस टूर्नामेंट का 2016 में पहला संस्करण जीतने वाली भारतीय टीम को ग्रुप ए में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, ओमान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है।

ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। सहवाग ने आगामी टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के 'रग रग में भारत' अभियान के मौके पर कहा, 'इस भारतीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही मिश्रण है। सूर्यकुमार के निर्भिक नेतृत्व में टीम एक बार फिर एशिया में अपना दबदबा बना सकती है। उनकी आक्रामक मानसिकता टी20 प्रारूप के लिए बिल्कुल उपयुक्त है और अगर टीम इसी इरादे से खेलती है तो इसमें कोई शक नहीं है कि भारत ट्रॉफी जीत सकता है।'

उन्होंने कहा, 'यह (रग रग में भारत) अभियान भारतीय क्रिकेट की धड़कन को खूबसूरती से जीवंत करता है। आप देश के किसी भी हिस्से से हों, जब भारत खेलता है तो भावनाएं हमें एकजुट करती हैं। मैं इसमें भी यही जुनून महसूस कर सकता हूं और यही जुड़ाव क्रिकेट को इतना ताकतवर बनाता है।' सूर्यकुमार एशिया कप में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल उनके उप कप्तान होंगे। एशिया कप के सभी मैच दो स्थान दुबई और अबुधाबी में आयोजित किए जाएंगे।

एंगिडी ने झटके 5 विकेट, दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर श्रृंखला जीती

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी के 5 विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को यहां दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 84 रन से जीत दर्ज कर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। एनगिडी ने 42 रन देकर पांच विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम 278 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 12 ओवर रहते 193 रन पर ढेर हो गई।

मिचेल मार्श की टीम घरेलू मैदान में लगातार चौथे वनडे में 200 रन के अंदर सिमट गई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान एडेन मारक्रम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया जिसके बाद टीम ने मैथ्यू ब्रिट्जके (88 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (74 रन) के अर्धशतकों की मदद से 277 रन बनाए। नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा को कार्यभार प्रबंधन के अंतर्गत आराम दिया गया था और वह श्रृंखला के रविवार को होने वाले अंतिम वनडे में टीम की अगुआई के लिए उपलब्ध होंगे। तीन मैच की श्रृंखला में लगातार दूसरी दफा ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम केर्न्स में पहले वनडे में 98 रन से हारी थी।

चोटिल कागिसो रबाडा की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया जिसमें एनगिडी ने दूसरे ही ओवर में मार्नस लाबुशेन को आउट कर दिया। नांद्रे बर्गर ने ट्रेविस हेड का विकेट लिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का शॉर्ट गेंदों के खिलाफ जूझना जारी रहा और कप्तान मार्श भी पावरप्ले में मिडऑन पर लपके गए जिससे टीम ने 38 रन पर तीन विकेट खो दिए। जोश इंगलिस (87 रन) और कैमरन

ग्रीन (35 रन) ने 67 रन की साझेदारी निभाई।

बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरान मुथुसैमी ने 23वें ओवर में ग्रीन का रिटर्न कैच लेकर इस भागीदारी का अंत किया। एलेक्स कैरी के आउट होने से ऑस्ट्रेलिया ने 133 रन पर पांचवां विकेट गंवाया। एंगिडी ने फिर निचले क्रम को झकझोर दिया। उन्होंने इंगलिस की पारी का अंत किया जिसमें 10 चौके और दो छक्के जड़े थे। इससे पहले रेयान रिकल्टन (08) और स्टब्स ने चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई।

मारक्रम स्क्वायर मिड-विकेट पर आसान कैच देकर बिना खाता खोले आउट हो गए। ब्रिट्ज्के ने लगातार चौथा अर्धशतक लगाया जबकि स्टब्स ने 16 वनडे में पहली बार पचास रन का आंकड़ा पार कर टीम को संभाला। ब्रिट्ज्के अपने दूसरे वनडे शतक से चूक गए। टीम ने लगातार दो विकेट गंवा दिए लेकिन फिर भी 300 रन से ज्यादा का स्कोर बनाने की ओर बढ़ रही थी। 40वें ओवर में टीम का स्कोर पांच विकेट पर 233 रन था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने छह ओवर के अंदर 31 रन के अंदर चार विकेट खो दिए और 46वें ओवर में स्कोर नौ विकेट पर 264 रन हो गया। वियान मुल्डर ने 21 गेंद में 26 और केशव महाराज ने नाबाद 22 रन बनाए। पर दक्षिण अफ्रीका पांच गेंद रहते 277 रन पर सिमट गया।

अश्विन ने बताया संन्यास का कारण

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान अचानक ही संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर आश्विन ने अब उनके इस फैसले का कारण बताया है।:- अश्विन ने अपने प्रशंसकों से कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेंच पर ही बैठे-बैठे थक गये गये थे। ऐसे में उनके पास संन्यास लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। अश्विन के संन्यास से उनके प्रशंसक भी सकते में आ गये थे, कई लोगों ने इसके लिए कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताया था। अश्विन ने संन्यास से पहले राहुल द्रविड़ से मजाक में कहा मुझे लगता है कि यह बस समय की बात थी, और मैं अपनी जिंदगी में कहां खड़ा था, है ना? मुझे लगता है कि मैं काफी बूढ़ा हो गया था, यह तो मानना ही पड़ेगा। इसके बाद उन्होंने असली वजहों को बताया और कहा कि विदेशी दौर पर लगातार बैंच पर बैठने की निराशा से वह थक गये थे। अश्विन ने कहा, टूर पर जाना और ज्यादा समय तक बाहर बैठना, आखिरकार मुझ पर हावी हो गया, इससे मेरे मन में खेल से दूर जाने के विचार आने लगे। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ समय बिताना भी एक कारण था। साथ ही कहा, मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं टीम में योगदान नहीं देना चाहता, बल्कि आप सोच रहे हैं कि क्या मैं घर पर रहकर बच्चों के साथ समय बिताना पसंद करूंगा। वे भी बड़े हो रहे हैं, और मैं असल में क्या कर रहा हूं? अश्विन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बहुत पहले ही समय सीमा तय कर ली थी। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में हमेशा से यही था कि मैं 34-35 साल की उम्र में संन्यास ले लूंगा। उन्होंने आगे कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया है पर वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे।

'उसे ज्यादा ज्ञान मत दो' : वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन से प्रभावित पूर्व भारतीय स्टार की कोचों को सलाह

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में अपने प्रदर्शन से चर्चा का विषय बने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने मेगा नीलामी के दौरान राजस्थान रॉयल्स द्वारा 1.10 करोड़ रुपए की बोली का पूरा मुल्य अदा किया। बिहार के इस क्रिकेटर ने 7 मैचों में 252 रन बनाए जिसमें किसी भारतीय द्वारा (35 गेंदों) सबसे तेज आईपीएल शतक भी शामिल है। हाल ही में पूर्व भारतीय विकेटकीपर अंबाती रायुडू ने इस युवा बल्लेबाज की प्रशंसा की और उन्हें सीनियर पुरुष भारतीय टीम में खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। रायुडू ने सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना की और कहा कि इस आईपीएल खिलाड़ी को उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर रायुडू ने कहा, 'उसकी बल्ले की गति असाधारण है। जो उसका व्हिप आता है... मुझे उम्मीद है कि कोई इसे नहीं बदलेगा। उसे बेहतर होना चाहिए। लारा जैसा कोई... शायद जाकर उससे बात करे। उसका भी बल्ले का उठाव कुछ ऐसा ही था। इसलिए वह सीख सकता है कि जब आप डिफेंस कर रहे हों और जब आप हल्के हाथ से खेल रहे हों, तो बल्ले की गति को कैसे नियंत्रित किया जाए। इसलिए अगर वह यह सीख लेता है, तो वह एक असाधारण प्रतिभा होगा।'

आईसीसी ने महिला विश्वकप के लिए मैच स्थल में किया एक बदलाव

-बेंगलुरु के मैच मुम्बई में होंगे

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा है कि अब बेंगलुरु में होने वाले मैच मुम्बई में होंगे। आईसीसी ने पांच स्थानों में से एक के रूप में बेंगलुरु को सूची से हटा दिया है। विश्वकप टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें अब नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल खेला जाएगा। पाकिस्तान के बाहर होने पर फाइनल सहित पांच मैच यहां आयोजित किए जाएंगे। आईसीसी के अनुसार बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के उपलब्धि नहीं होने के कारण मैच स्थल को मुम्बई कर दिया गया है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, ' अप्रत्याशित हालातों के कारण हमें कार्यक्रम में से हल्का बदलाव करना पड़ा है। हमें खुशी है कि हमारे पास 5 विश्वस्तरीय स्थान हैं, जहां महिला क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ मैच देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को साकार करते हुए प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए अन्य मैच स्थलों में गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो शामिल हैं। आईसीसी ने हालांकि बेंगलुरु को हटाने के स्पष्ट कारणों के बारे में नहीं बताया है पर पूरी संभावना है कि यह परिवर्तन कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा मेजबानी के लिए आवश्यक मंजूरी हासिल करने में असफल होने के कारण किया गया। गौरतब है कि इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत की खुशी में हुए जश्न के दौरान मची भगदड़ की जांच के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़ी प्रतियोगिताओं की मेज़बानी के लिए अयोग्य करार दिया गया था।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बनाने की कोई बात नहीं हुई : सैकिया

-तीनों ही प्रारुपों में एक ही कप्तान बनेगा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसका इरादा भविष्य में एक ही खिलाड़ी को टीम की कप्तानी देना है। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्ट गलत है जिसमें कहा गया है कि आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी जाएगी। शुभमन अभी टेस्ट कप्तान और टी20 में उप्तान बनाये गये हैं और भविष्य में उनके ही तीनों प्रारुपों की कमान संभालने की उम्मीद है। वहीं इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड अय्यर को एकदिवसीय कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की जगह पर रखना चाहता है। इसमें कहा गया था कि शुभमन को भविष्य में सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 की भी कप्तानी सौंपी जाएगी और अय्यर एकदिवसीय की जिम्मेदारी संभालेंगे पर बीसीसीआई ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि आगे चलकर तीनों ही प्रारुपों की कमान एक ही खिलाड़ी को मिल सकती है। रोहित अभी 38 साल के हैं और उनका कैरियर समाप्त होने की ओर है। उन्होंने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी नजर 2027 के एकदिवसीय विश्वकप पर है। इस प्रारुप में वह अभी भी विश्व के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र की वजह से वह अगले विश्व कप तक खेल पाएंगे इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में श्रेयस एकदिवसीय में रोहित के उत्तराधिकारी के लिए दावेदार तो हैं प वह बोर्ड की पहली पसंद नहीं हैं। उनकी जगह पर वर्तमान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय कप्तानी के लिए पहली पसंद हैं। शुभमन का एकदिवसीय में 59 का औसत है और पहले से ही टीम के उपकप्तान हैं। उनकी उम्र भी अभी 25 साल ही है और उनके सामने लंबा समय है। ऐसे में उनके भविष्य में एकदिवसीय कप्तान बनने की सबसे ज्यादा उम्मीद हैं।

भारतीय टीम एशिया कप में नहीं खेले तो भी हमें परेशानी नहीं : अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि भले ही एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला न हो पाये पर खेल चलते रहने चाहिये। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। इस बार एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 14 सितंबर को दुबई में मैच खेला जाएगा। वहीं इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है और प्रशंसक इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पाक के साथ मैच खेलने को लेकर टीम इंडिया को भारी विरोध का सामना करना पड़ा रहा है क्योंकि क्रिकेट प्रशंसकों का कहना है कि पहलगाम हमले को देखते हुए पाक के साथ सभी सभी प्रकार के खेल संबंध तोड़ देने चाहिये। उनका कहना है कि जिस प्रकार इंडिया चैंपियंस टीम ने लंदन में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। वैसा ही कुछ एशिया कप में भी होना चाहिये। एशिया कप में हालांकि भारतीय टीम के खेलने पर फैसला क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार करेगा। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए पहले ही सहमति दे दी है इसलिए वह अब मैच के बहिष्कार की बात कहेगा इसकी संभावना काफी कम है। अकरम ने कहा कि भारत में प्रशंसकों के बहिष्कार की अपील से पाकिस्तान परेशान नहीं है और चाहे भारतीय टीम उनके साथ एशिया कप में खेले या नहीं, उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। अकरम ने हालांकि कहा कि, वह भारत और पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट सीरीज देखना चाहते हैं। गौरतब है कि दोनों टीमों ने एक दशक से ज्यादा समय से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनों टीमों के बीच अंतिम बार टेस्ट सीरीज 2007-08 में हुई थी।

एशिया कप में भारत-पाक मुकाबले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर का बयान, आश्चर्य हुआ कि यह मैच होने जा रहा है

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)। एशिया कप 2025 से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भारत-पाकिस्तान मुकाबला खेला जाना चाहिए या नहीं, इस पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत आश्चर्य हुआ कि यह मैच पहलगाम आतंकी हमले के बाद हो रहा है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। दोनों मैच दुबई में खेले जाएंगे। भारत अपना अंतिम ग्रुप चरण का मैच 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ खेलेगा।

यह लोकप्रिय क्रिकेट मैच होना चाहिए या नहीं, यह सवाल टूर्नामेंट से पहले एक बड़ा विवाद रहा है, खासकर तब जब भारतीय दिग्गज टीमों ने हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) में पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैच नहीं खेले थे। चूंकि यह एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और इसमें खिताब दांव पर लगा है, इसलिए इस मैच के आयोजन का समर्थन करने वालों की आवाजें उठ रही हैं, लेकिन एक बड़ा वर्ग इस मैच के बहिष्कार की भी मांग कर रहा है।

इसका कारण ऑपरेशन सिंदूर है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूहों के खिलाफ मई में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किया गया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे पर लक्षित हमले किए जिसके परिणामस्वरूप जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों से जुड़े 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए।

भारत-पाकिस्तान मैच के बारे में हुए मनोज तिवारी ने कहा, 'मुझे थोड़ा आश्चर्य हो रहा है कि यह मैच होने जा रहा है... पहलगाम हमले के बाद जिसमें कई निर्दोष नागरिक मारे गए थे, और उसके बाद हुए युद्ध के बाद बहुत सी बातें चल रही थीं कि इस बार हम करारा जवाब देंगे। इसके बावजूद कुछ महीनों बाद सब कुछ भुला दिया गया... मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह मैच हो रहा है, मानव जीवन का मूल्य शून्य हो सकता है। वे पाकिस्तान के साथ खेलकर क्या हासिल करना चाहते हैं?... मानव जीवन का मूल्य खेल से बढ़कर होना चाहिए... मेरे मैच देखने का तो सवाल ही नहीं उठता...'

एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई जिसमें कप्तान सूर्यकुमार टीम की कमान संभालेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे, जबकि कई बड़े नाम गायब हैं। टीम की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई, जिसमें टी20 कप्तान सूर्यकुमार और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर शामिल हुए। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एक चयन बैठक के बाद आयोजित की गई थी जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया भी शामिल थे। मुख्य टीम में शीर्ष क्रम में यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर जैसे कुछ बड़े

नाम गायब हैं जिन्होंने इस साल राजस्थान रॉयल्स (RR) और पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए शानदार आईपीएल सीजन खेले। जायसवाल को ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर, ऑलराउंडर रियान पराग, तेज गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा और विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के साथ रिजर्व में हैं।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

रिजर्व खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल।

यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट : रिंकू ने तेजी से शतक लगाकर मेरठ मावरिक्स को जीत दिलायी, एशिया कप से पहले फार्म में आये

लखनऊ। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने यहां जारी यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में तेजी से अर्धशतक लगाकर अपना पुराना फार्म हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट में मेरठ मावरिक्स की कप्तानी कर रहे रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिंकू ने अपनी इस पारी में

जमकर चौके और छक्के लगाये। उन्होंने 48 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ ही नाबाद 108 रन बनाए। रिंकू जब बल्लेबाजी के लिए उतरे थे जब उनकी टीम ने 38 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। इसके बाद रिंकू ने आक्रामक रुख अपनाते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। रिंकू ने इसी के साथ ही एशिया कप के लिए भी अपने चयन को भी सही साबित किया है। इस मैच में मेरठ मावरिक्स की टीम को जीत किए 168 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए रिंकू की टीम ने 8 ओवर में 38 रनों पर ही चार विकेट खो दिये। उसके शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाज 15 रन भी नहीं बना पाये। इसके बाद रिंकू ने युवराज सिंह के साथ मिलकर पांचवे विकेट के लिए 65 गेंदों पर ही 130 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। युवराज सिंह ने भी 22 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर रिंकू का अच्छा साथ निभाया। रिंकू ने मेरठ मावरिक्स की पारी के 19वें ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर छक्के लगाकर मैच पलट दिया। इससे पहले उन्होंने 18वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया था। वहीं गोरखपुर लायंस ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुएक ष्ठान ध्रुव जुरेल के 38 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 167 रन बनाए थे। ध्रुव के अलावा अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

पॉडकास्ट शो 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करेंगे सोहाअली खान

बालीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी पॉडकास्ट सीरीज 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करने जा रही हैं। इस पॉडकास्ट शो का प्रीमियर 22 अगस्त से यूट्यूब पर होगा। यह महिला-केंद्रित शो होगा जिसमें महिलाओं से जुड़े मुद्दों और उनकी कहानियों को प्रमुखता दी जाएगी। इस पॉडकास्ट में विभिन्न क्षेत्रों की नामी महिलाएं मेहमान बनकर आएंगी। मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, सनी लियोन जैसी जानी-मानी हस्तियां इसमें शामिल होंगी। वहीं, चिकित्सा और स्वास्थ्य जगत से डॉ. किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञ भी इसमें हिस्सा लेंगी। शो में कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां, घर और दफ्तर के बीच संतुलन, निवेश और फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस के तरीके, मानसिक स्वास्थ्य जैसे अहम विषयों पर खुलकर बातचीत होगी। सोहा अली खान ने इस शो को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, 卐पिछले कुछ सालों में मैंने महसूस किया कि महिलाएं जीवन में कई बदलावों से गुजरती हैं शारीरिक, मानसिक, मातृत्व, काम और व्यक्तिगत संतुलन जैसे पहलुओं पर। लेकिन अक्सर इन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। हमें मजबूत बनने के लिए कहा जाता है, लेकिन अपनी कमजोरी दिखाने की इजाजत नहीं होती। हमें आगे बढ़ने को कहा जाता है, लेकिन आवाज उठाने की हिम्मत नहीं दी जाती। 'ऑल अबाउट हर' के जरिए मैं इसे बदलना चाहती हूं।' सोहा ने आगे कहा कि उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच देना है जहां महिलाएं बिना किसी हिचकिचाहट, आलोचना या रोक-टोक के अपनी बात कह सकें। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि यह बातचीत सहज, ईमानदार और कभी-कभी असहज भी हो, लेकिन अंत में हीलिंग का अनुभव दे।'

बागी-4 का रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज, फैंस का जीता दिल

बॉलीवुड फिल्म 'बागी-4' में जबर्दस्त अभिनय को लेकर अभिनेता टाइगर श्रॉफ जबरदस्त चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में लॉन्च हुआ था। अब फिल्म का पहला रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना आज टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ, जिसने रिलीज के साथ ही फैंस का दिल जीत लिया। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ रही हैं मिस यूनिवर्स रह चुकीं हरनाज संधू। दोनों के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों को बेहद प्रभावित किया है। गाने की कहानी रॉनी यानी टाइगर श्रॉफ और उनकी प्रेमिका के इर्द-गिर्द घूमती है। रॉनी अपने प्यार के लिए किसी भी हद तक जाने और सब कुछ कुर्बान करने को तैयार दिखते हैं। इससे साफ हो गया है कि फिल्म में एक्शन और ड्रामा के साथ-साथ एक खूबसूरत लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी।

'गुजारा' गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। दर्शकों ने इसकी धुन, बोल और रोमांटिक अंदाज की जमकर तारीफ की। इसे आवाज दी है जोश बरार और परंपरा ठाकुर ने, जबकि इसके बोल जगदीप और कुमार ने लिखे हैं। संगीतकार हैं सलामत अली मतोई और जोश बरार। गाने की शूटिंग शानदार लोकेशंस पर हुई है, जो इसे और भी आकर्षक बना देती है। फिल्म की कहानी और पटकथा लिखी है साजिद नाडियाडवाला ने, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी ए. हर्ष के पास है। मेकर्स का कहना है कि 'बागी-4' अब तक की सबसे बड़ी और रोमांचक किस्त होगी, जिसमें धमाकेदार एक्शन, इमोशंस और अराजकता से भरी कहानी देखने को मिलेगी।

गाने की सफलता पर गायक जोश बरार ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 卐जब पहली बार यह गाना साजिद नाडियाडवाला और भूषण कुमार ने सुना, तब ही उन्होंने तय कर लिया था कि इसे 'बागी-4' में जगह दी जाएगी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मौका है और मैं टाइगर और हरनाज का आभारी हूं, जिन्होंने गाने में जान डाल दी।卐 फैंस अब फिल्म के बाकी गानों और ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जॉर्जिया के फैशन में झलकता है शाही अंदाज

हॉलीवुड अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रियानी इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जाना जाता है। उनके फैशन में ही का शाही अंदाज़ झलकता है। इसकी घेरदार स्कर्ट पर सुनहरी ज़री और पारंपरिक मोटिफ्स इसे त्योहारों और शादी समारोह के लिए परफेक्ट बनाते हैं।

वहीं, मस्टर्ड येलो लहंगे पर सोने की बारीक कढ़ाई और केप-स्टाइल दुपट्टा, लुक को भव्य और मॉडर्न टच देता है। उनका बरगंडी-गोल्ड लहंगा दुल्हन के फैशन का क्लासिक उदाहरण है। सिर पर दुपट्टे और ज्वेल टोन डिटेलिंग ने इसे ऑथेंटिक और रोमांटिक दोनों बना दिया। इसी तरह, पिंक, ब्लू, सिल्वर और गोल्ड का मल्टीकलर्ड लहंगा उनकी एक्सपेरिमेंटल स्टाइल को सामने लाता है। डिटैच्ड स्लीव्स और मॉडर्न ड्रेपिंग इसे मॉडर्न ब्राइड्स के लिए खास बनाती है। ऑम्ब्रे लहंगा, पारंपरिक सोने की कढ़ाई और गहरे रंगों के साथ, जॉर्जिया की क्लासिक फैशन समझ को उजागर करता है। स्टेटमेंट ज्वेलरी और आत्मविश्वास भरी स्टाइलिंग उनके हर लुक को आकर्षक बनाती है। जॉर्जिया का यह कलेक्शन दिखाता है कि कैसे पारंपरिक भारतीय फैशन को आधुनिक फ्लेयर और पर्सनल स्टाइल के साथ खूबसूरती से अपनाया जा सकता है। यही संतुलन उन्हें एक सच्चा फैशन आइकन बनाता है। बता दें कि जॉर्जिया एंड्रियानी अपने इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती हैं।

पारंपरिक भारतीय पहनावे को आधुनिक अंदाज़ में पेश करने की उनकी कला उन्हें बाकी से अलग पहचान देती है। खासतौर पर लहंगे को उन्होंने केवल रस्मों तक सीमित न रखकर, आत्मविश्वास और पर्सनल स्टाइल का प्रतीक बना दिया है। उनके कलेक्शन में अलग-अलग तरह के लहंगे देखने को मिलते हैं। कोरल रेड लहंगा, जिसमें सुनहरी कढ़ाई और घेरदार स्कर्ट है, क्लासिक ब्राइडल एलीगेंस को बखूबी दर्शाता है। वहीं, काले और सफेद ज्यामितीय प्रिंट वाला लहंगा एक फन और फ्रेश ट्विस्ट देता है, जो यह साबित करता है कि पारंपरिक आउटफिट्स आरामदायक भी हो सकते हैं।

मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज

मैडॉक फिल्म्स ने अपनी अगली फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। करीब 1 मिनट 49 सेकंड लंबे इस टीजर की शुरुआत घने जंगल के सीन से होती है, जहां आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना रोमांटिक पलों में नजर आते हैं। इसी बीच बैकग्राउंड से आवाज आती है, 卐रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक?卐 जिस पर रश्मिका जवाब देती हैं, 卐100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं।卐 इसके बाद कहानी अचानक रोमांस से निकलकर डर और थ्रिल की ओर मुड़ जाती है। टीजर में आयुष्मान खतरनाक ताकतों और जंगली जानवरों से जूझते दिखते हैं, जबकि जंगल में अजीब और डरावनी घटनाएं घटती हैं। कई सीक्वेंस ऐसे हैं जो रोंगटे खड़े कर देते हैं। वहीं, टीजर में मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी दिखाई गई है। फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। आयुष्मान और रश्मिका के अलावा इसमें फैसल मलिक ('पंचायत' फेम प्रह्लाद चा), नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खासकर टीजर के अंत में नवाजुद्दीन डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, 卐पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो।卐 यह डायलॉग फिल्म के रोमांस और हॉरर दोनों पहलुओं को और भी दिलचस्प बनाता है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने फिल्म का निर्देशन किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है।

शीबा चड्ढा चाहती हैं अब चुनौतीपूर्ण किरदार

वेब सीरीज़ 'बकैती' में सुषमा कटारिया के किरदार से अभिनेत्री शीबा चड्ढा दर्शकों का दिल जीत रही हैं। अभिनेत्री मां की भूमिका में हमेशा की तरह अपने सहज लेकिन गहरे अभिनय से छाप छोड़ती हैं। उन्हें मां जैसे किरदारों में काफी सराहना मिली है, लेकिन अब शीबा खुद को और चुनौती देना चाहती हैं। उन्होंने कहा मैं खुश हूं कि मुझे अच्छे सेट्स और बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका मिलता है, यह मेरे लिए आशीर्वाद है। लेकिन अब मैं ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं जो मां की भूमिका तक सीमित न हों, बल्कि कुछ अलग और दमदार कहानियां कहने का अवसर दें।

सीरीज़ की कहानी पुराने गाज़ियाबाद की गलियों में बसे एक मिडिल क्लास परिवार पर आधारित है। इसमें रोज़मर्रा की दिक्क़तें, भाई-बहनों की नोकझोंक और परिवार का प्यार बड़े सच्चे अंदाज़ में दिखाया गया है। कहानी तब मोड़ लेती है जब नैना (तान्या शर्मा) को मजबूरी में अपने शरारती भाई भरत (आदित्य शुक्ला) के साथ कमरा शेयर करना पड़ता है और हालात धीरे-धीरे परिवार की शांति को हिला देते हैं। ऐसे में शीबा का किरदार भावनात्मक सहारा बनकर सामने आता है। निर्देशक अमित गुप्ता की इस सीरीज़ में शीबा के साथ राजेश तैलंग, तान्या शर्मा, आदित्य शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में हैं।

हंसना-हंसाना छोड़ गए जसविंदर भल्ला

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता जसविंदर भल्ला का 65 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन से पंजाबी सिनेमा और दर्शकों के बीच शोक की लहर है। अपनी अद्भुत कॉमिक टाइमिंग और शानदार अदाकारी के लिए जाने जाने वाले जसविंदर भल्ला ने गुरुवार की सुबह मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

कॉमेडियन बनने से पहले प्रोफेसर थे

बहुत कम लोग जानते हैं कि जसविंदर भल्ला का करियर सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं था। उनका जन्म 4 मई 1960 को लुधियाना में हुआ था। उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (क्क) से अपनी क्च्स्.ष्और रूस्.ष्की पढ़ाई पूरी की और बाद में चौधरी चरण सिंह पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज मेरठ से पीएचडी भी की।

भल्ला ने अपना करियर क्कमें एक सहायक प्रोफेसर के रूप में शुरू किया था। अपनी सेवानिवृत्ति तक वे विस्तार शिक्षा विभाग में प्रोफेसर और प्रमुख के पद पर कार्यरत रहे।

ऑडियो कैसेट से शुरू हुआ कॉमेडी का सफर

जसविंदर भल्ला ने अपने पेशेवर कॉमेडी करियर की शुरुआत 1988 में अपने सहपाठी बाल मुकुंद शर्मा के साथ ऑडियो कैसेट 'छनकटा 1988' से की थी। यह सीरीज इतनी सफल रही कि उन्होंने इसकी 27 से भी ज्यादा ऑडियो और वीडियो एल्बम जारी किए। 'छनकटा' में 'चाचा चतर सिंह' और 'भाना' जैसे उनके किरदार बहुत मशहूर हुए जिनके माध्यम से उन्होंने पंजाबी समाज और राजनीति पर व्यंग्य किया।

उन्होंने 1998 में फिल्म 'छनकता 88' से एक हास्य कलाकार के रूप में पंजाबी सिनेमा में कदम रखा और फिर 'दुल्ला भट्टी' से एक मुख्य अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई।

परिवार और नेटवर्थ

जसविंदर भल्ला के पिता मास्टर बहादुर सिंह भल्ला भी एक शिक्षक थे। उनकी पत्नी परमदीप भल्ला एक फाइन आर्ट टीचर हैं। उनके दो बच्चे हैं- बेटा पुखराज भल्ला जो खुद एक एक्टर हैं और बेटी अशदीप कौर जिनकी शादी नॉर्वे में हुई है।

भल्ला ने अपने फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दीं जिनमें 'कैरी ऑन जट्टा', 'जट एंड जूलियट', 'मेल करा दे रब्बा' और 'जिह्ने मेरा दिल लुटेया' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्मों में उनके कुछ खास डायलॉग्स, जैसे 'मैं ता भंदुउ बुल्लां नाल अखरोटे' और 'ढल्लों ने काला खाट ऐवें नी पेयया', दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुए। पंजाबी इंडस्ट्री के जाने-माने चेहरे जसविंदर भल्ला की कुल संपत्ति करीब 87 मिलियन थी। उनका जाना पंजाबी मनोरंजन जगत के लिए एक बड़ा नुकसान है।

फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक का खुलासा किया मृणाल ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें उन्होंने खुद क्लिक किया है। एक्ट्रेस ने फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक और नए सफर का खुलासा किया। मृणाल ने लिखा कि उन्होंने थोड़ी हिम्मत करके यह तस्वीरें पोस्ट की हैं और मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद बाद में इन्हें डिलीट भी कर दें। उन्होंने आगे लिखा कि वह हमेशा से मानती रही हैं कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है और जब से उन्होंने फोटोग्राफी को गंभीरता से लेना शुरू किया है, यह बात और भी सच लगने लगी है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें फोटोग्राफी हमेशा से आकर्षित करती रही है और अब वह इसे और गहराई से समझना चाहती हैं। उनके मुताबिक, उनके अंदर हमेशा से कुछ नया सीखने और जानने की जिज्ञासा रही है।

पिछले साल जब उन्होंने अपना पहला कैमरा खरीदा, तो यह शौक और पुख्ता हो गया। हालांकि कैमरा खरीदने के साथ एक डर भी था कि कहीं इसे संभाल न पाएं या खराब न कर दें, लेकिन फिर उन्होंने खुद को समझाया कि कोशिश किए बिना कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड फोटोग्राफी डे आने वाला है, इसलिए उन्होंने अपनी खींची कुछ तस्वीरें अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने का निर्णय लिया। मृणाल का मानना है कि यह सफर सिर्फ क्लिक करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें धैर्य, रुकना और ओवरथिंकिंग जैसी प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। फोटोग्राफी में इस नए प्रयोग के साथ-साथ मृणाल अपने वर्कफ्रंट को लेकर भी चर्चा में हैं।

हाल ही में वह फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' में नजर आई थीं। अब वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'डकैत' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें उनके साथ साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता अदिवी सेश मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। फिल्म में दिग्गज फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी एक अहम रोल में दिखाई देंगे। इसे शनील देव ने निर्देशित किया है और सुप्रिया यारलागड्डा व सुनील नारंग के सहयोग से अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मृणाल की यह पहल उनके व्यक्तित्व के एक नए पहलू को सामने लाती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।